3 फरीदाबाद-पलवल का यमुना से लगता क्षेत्र कण्ट्रोल...
5 विधायक राजेश नागर ने विकास कार्यों को लेकर...
7 Delhi hospitals see a surge in dengue cases

राष्ट्रीय सरोकारों से परिपूर्ण समाचार पत्र

मासिक समाचार पत्र

अतुल्य लोकतंत्र

Postal REGN. : L-2/Faridabad/330/2022-24

Email : atulyaloktantra09@gmail.com

सुविचार

अपनी उर्जा को चिंता करने में खत्म करने से बेहतर है, इसका उपयोग समाधान ढूंढने में किया जाए।

-संपादक

वर्ष : 08 | अंक : 07 | फरीदाबाद, सितंबर , 2023 | संपादक : दीपक कुमार शर्मा | RNI NO. HARBIL/2016/74676 | Mob.: 9899222656, 8527791656 | मूल्य : 15 रुपए | पृष्ठ : 8

नई संसदीय यात्रा आरंभ, नई उंचाईयों व देश की उन्नाति का बनेगी गवाह

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

आज संसद में भारतीय संसदीय इतिहास का आठवां विशेष सत्र प्रारंभ हुआ, ऐतिहासिक रूप से देखें तो विशेष सत्र आमतौर पर महत्वपूर्ण विधायी या राष्ट्रीय घटनाओं के उपलक्ष्य में बुलाए गए हैं। संसदीय इतिहास में अब तक संसद के सात विशेष सत्र बुलाए जा चुके हैं जिनमें से तीन बार ऐसे सत्र तब बुलाए गए जब देश ऐतिहासिक उपलब्धियों का जश्न मना रहा था। वहीं दो बार राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए 1977 में तमिलनाडु और नगालैंड में तो 1991 में हरियाणा में विशेष सत्रों का आयोजन किया गया। इस बार 75 साल की संसदीय यात्रा पर चर्चा के लिए मुख्यतः विशेष सत्र बुलाया गये हैं। इस बार का विशेष सत्र संसदीय परम्परा के श्रेष्ठ स्वरूप को उपस्थित करके उसके उत्कर्ष को बढ़ाने और उसे उन्नत-आदर्श बनाने के लिये होना चाहिए, न केवल इस विषय पर गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए, बल्कि इस पर चिंतन और मनन भी होना चाहिए। क्योंकि इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि पिछले कुछ वर्षों में संसद में कामकाज के तौर-तरीकों में गिरावट आई है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का विशेष सत्र अन्य सत्रों की तरह हंगामेदार, अमर्यादित एवं अनुशासनहीन न होने की बजाय सार्थक बहस का माध्यम बनना चाहिए कि हमारी संसदीय कार्यप्रणाली किस प्रकार प्रेरक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की वाहक बने। बिना राजनीति आग्रह एवं पूर्वाग्रह के इस पर चिंतन और मनन भी होना चाहिए कि संसदीय कार्यवाही कैसे गरिमापूर्ण तरीके से चले। ऐसे अवसर दुर्लभ ही रहे हैं जब संसद में कोई सार्थक चर्चा हुई हो। इसलिये उचित होगा कि इस सत्र में सरकार ने जो विधेयक प्रस्तावित किए हैं उन पर भी बिना सोचे-समझे विरोध जताने के बजाय विपक्षी दल स्वस्थ बहस के लिए तैयार रहें। यह तभी हो सकता है जब नकारात्मकता का परिचय देने के बजाय विधेयकों की रूपरेखा देखने के उपरांत प्रतिक्रिया व्यक्त की सकारात्मक मानसिकता को अपनाया जाये। निश्चित ही भारतीय संसद के अमृतकाल को अमृतमय बनाने के लिये संसद एवं आजादी की 75 साल की उपलब्धियों एवं निरन्तर बढ़ रही कमियों पर चर्चा के साथ उन कमियों एवं विसंगतियों को दूर करने का रोडमेप तैयार होना चाहिए। हमें अब तक संसदीय यात्रा की उपलब्धियां, अनुभव, स्मृतियां, कमियों और उनसे मिली सीख को चर्चा का माध्यम बनाते हुए सर्वसम्मति से नये संसदीय यात्रा के लिये उन्नत एवं आदर्श मूल्यों को अपनाने के लिये तत्पर होना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद में भी विरोध के लिए विरोध की राजनीति अधिक देखने को मिलती है। विपक्षी दल संसद में चर्चा करने से अधिक नारेबाजी करने, नारे लिखी हुई तख्तियां दिखाने, अध्यक्ष के आसान तक पहुंच कर हंगामे करने में ज्यादा ऊर्जा खपाते हैं

पिछले कुछ वर्षों में तो ऐसा लगातार हो रहा है और इसके चलते कई सत्र ऐसे भी रहे जब कोई खास काम नहीं हो सका। 18 सिंतबर से 22 सिंतबर तक चलने वाले इस विशेष सत्र के दौरान कुल 8 विधेयकों को चर्चा और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इनमें मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, उनकी सेवा की शर्तें और कार्यकाल की अवधि विषयक विधेयक-2023, द प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स बिल, डाकघर विधेयक प्रमुख हैं। इस विशेष सत्र की कार्रवाही का पहला दिन पूराने संसद भवन में एवं बाकि चार दिन नये संसद भवन में आयोजित होगी। इस सत्र की एक और विशेषता है कि लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों का दूसरे दिन मंगलवार सुबह ग्रुप फोटो होगा। यह भी संभावना की जा रही है कि यह मौजूदा संसद का आखिरी सत्र हो सकता है और सरकार लोकसभा चुनाव समय से पहले करवा सकती है। लोकतंत्र में सफलता की कसौटी है- संसद की कार्रवाही का निर्विघ्न संचालित होना। लेकिन संसद के विशेष सत्र शुरू होने से पूर्व ही कांग्रेस ने नकारात्मक राजनीति के संकेत दे दिये हैं। क्योंकि कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति का ही यह उदाहरण है कि सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस की ओर से यह कहा गया कि विशेष सत्र में मणिपुर की स्थिति का मुद्दा भी उठाया जाएगा। जबकि सरकार ने संसद के पिछले सत्र में इस विषय पर चर्चा को लेकर कई बार सहमति जताई थी और अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की ओर से विपक्ष के सवालों के जवाब भी दे दिए गए थे तब विशेष सत्र में इस मुद्दे को उठाने का क्या कोई औचित्य नहीं है। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के इस तरह के आग्रह एवं पूर्वाग्रह कोई नई-अनोखी बात नहीं है। लेकिन कांग्रेस एवं विपक्ष ने इस विशेष सत्र को भी हंगामेदार करने की ठानी है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। जहां तक महंगाई, बेरोजगारी, चीन सीमा, आतंकवाद, चुनावों की स्वच्छता, जैसे मुद्दों को उठाने एवं इन विषयों पर सरकार से जबाव मांगने का प्रश्न है, यह स्वस्थ एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। लेकिन इन्हीं या दूसरे मुद्दों को आधार बनाकर जहां संसद की कार्रवाई को बाधित करने की स्थितियां हैं, यह अलोकतांत्रिक है, अमर्यादित है। विशेष सत्र लोकतांत्रिक समझौते के साथ समझ को विकसित करने का उदाहरण बने, यह अपेक्षित है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में संसदीय यात्रा पर चर्चा के लिए बुलाए गए विशेष सत्र में भी सरकार के प्रत्येक कदम की आंख बंदकर विरोध करने की स्थितियों की बजाय राष्ट्रीय महत्व एवं संसदीय गरिमा के विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए, ताकि देश को कोई दिशा मिल सके, विकास के कार्यों को गति मिल सके, लेकिन इसके स्थान पर आरोप-प्रत्यारोप अधिक होना औचित्यपूर्ण नहीं है। कई बार तो इसे लेकर गतिरोध कायम हो जाता है जो संसद के अमूल्य समय की बर्बादी है। मौजूदा माहौल में सरकार के लिए चर्चा से इंकार करना मुश्किल होगा, लेकिन विपक्ष को भी इस बात का ध्यान रखना होगा कि अधिक आक्रामक रुख अख्तियार कर वह संसद की कार्यवाही को बाधित करने तक सीमित न रह जाए। ऐसा होने से लोकतंत्र की मूल भावना पर आघात होता है। विपक्ष सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने और विशेष सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिए पहल करें एवं एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करें। देश की संसद को निरपेक्ष भाव एवं सकारात्मक ढंग से राष्ट्रीय परिस्थितियों का जायजा लेते हुए लोगों को राहत प्रदान करने के प्रावधानों पर चिन्तन-मंथन के लिये संचालित करना होगा। संसद केवल विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच वाद-विवाद का स्थल नहीं होती है बल्कि जन हित में फैसले करने का सबसे बड़ा मंच होती है। इसके माध्यम से ही सत्तारुढ़ सरकार की जवाबदेही और जिम्मेदारी तय होती है और जरूरत पड़ने पर जवाबतलबी भी होती है परन्तु यह भी सच है कि सत्ता और विपक्ष की संकीर्णता एवं राजनीतिक स्वार्थ देश के इस सर्वोपरि लोकतांत्रिक मंच को लाचार भी बनाते हैं जो 140 करोड़ जनता की लाचारी बन जाते हैं।

द्रमुक के सनातन धर्म विरोधी बयानों से विपक्षी गठबंधन इंडिया का आधार ही हिल गया है

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के खात्मे का बयान देकर पहले से ही आपसी आरोप-प्रत्यारोपों के झंझावातों से जूझ रही विपक्षी एकता के लिए नया संकट पैदा कर दिया है। हालत यह है कि विपक्षी दलों के लिए उदयनिधि का यह बयान उगलते बन रहा है न ही निगलते। विपक्षी दल इस मुद्दे पर साफ प्रतिक्रिया जाहिर करने के बजाए कन्नी काट रहे हैं। विपक्षी दलों को इस मुद्दे पर हिन्दू वोट बैंक के नाराज होने का खतरा है, वहीं यह जगजाहिर है कि तमिलनाडु के राजनीतिक दलों के प्रमुख मुद्दे जाति, धर्म और भाषा के रहे हैं। मौजूदा सत्तारुढ़ दल डीएमके हो या प्रमुख विपक्षी दल एआईएडीएमके, इनकी राजनीतिक नींव ही धर्म और सम्प्रदाय के विरोध के आधार पर पड़ी है। उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू के बुखार से करते हुए कहा था कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं करना चाहिए, बल्कि खत्म किया जाना चाहिए। इंडिया गठबंधन के दल अन्य मुद्दों पर कोई एकराय कायम करते, इससे पहले उदयनिधि का बयान उनके लिए मुसीबत बन गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर असहमति जताई। उन्होंने कहा कि वे उदयनिधि के बयान से सहमत नहीं हैं। सीएम ममता ने उदयनिधि को इस तरह के बयान से बचने की सलाह देते हुए कहा कि मैं तमिलनाडु के लोगों का बहुत सम्मान करती हूं, लेकिन उनसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि हर धर्म की अपनी अलग-अलग भावनाएं होती हैं। हमें ऐसे किसी भी मामले में शामिल नहीं होना चाहिए जिससे किसी भी वर्ग को ठेस पहुंचे। इस मुद्दे से सबसे ज्यादा फजीहत कांग्रेस की हो रही है। कांग्रेस की समझ में ही नहीं आ रहा है कि इस मामले से कैसे निपटा जाए। यदि कांग्रेस स्टालिन के बयान का विरोध करती है तो इससे विपक्षी एकता की दरार बढ़ने का खतरा है, विरोध नहीं करने की सूरत में भाजपा के तीखे हमलों से बचाव करना आसान नहीं है। जिसका असर सीधा वोट बैंक पर पड़ेगा। कांग्रेस में इस मुद्दे पर नेताओं ने अलग-अलग राय जाहिर की है। पार्टी सांसद कार्ति चिदंबरम ने डीएमके के मंत्री के बयान

का पूरी तरह से समर्थन करते हुए कहा कि उदयनिधि स्टालिन ने अपने भाषण में बस इतना कहा कि जातिवादी समाज को खत्म किया जाना चाहिए। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि कोई भी धर्म जो समान अधिकार नहीं देता है या आपके साथ इंसानों जैसा व्यवहार नहीं करता है वह बीमारी के समान है। इसके विपरीत कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमारा रुख स्पष्ट है। सर्वधर्म समभाव कांग्रेस की विचारधारा है, लेकिन आपको यह समझना होगा कि हर राजनीतिक दल को अपने विचार रखने की आजादी है। हम हर किसी की आस्था का सम्मान करते हैं। वहीं कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री करण सिंह ने स्टालिन के बयान को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि ये पूरी तरह से अस्वीकार्य बयान है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी भी उदयनिधि के बयान की आलोचना करती दिखीं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म शाश्वत सत्य- जीवन जीने का तरीका- विवेक और अस्तित्व का प्रतीक है। उधर, पहले से ही विपक्षी दलों पर घात लगाए बैठी भाजपा को मुद्दे ने विपक्षी एकता के विरोध की मशाल के लिए ईंधन मुहैया करा दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान में एक जनसभा में इंडिया गठबंधन के दलों के खिलाफ जमकर प्रहार किया। एक अन्य बयान में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इंडिया गठबंधन के दल डीएमके ने सनातन धर्म पर चोट पहुंचाई और कांग्रेस के लोगों ने चुप्पी साध रखी है। उन्होंने सवाल दागते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे क्यों नहीं बोलते कि सनातन धर्म के बारे में उनकी सोच क्या है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरह मोदी को लेकर दिए गए विवादास्पद बयान की तरह अब स्टालिन का यह बयान भी कानून के शिकंजे में आ गया है। उदयनिधि स्टालिन और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे के खिलाफ उत्तर प्रदेश के रामपुर में एफआईआर दर्ज की गई है। रामपुर की कोतवाली सिविल लाइंस में धार्मिक भावनाएं आहत होने की शिकायत की गयी है। इसके अलावा, भारत की 262 प्रतिष्ठित हस्तियों ने मुख्य न्यायाधीश धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखकर उदयनिधि मामले में स्वत संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। चिट्ठी में लिखा है कि उदयनिधि स्टालिन की ओर से दिए गए नफरत भरे भाषण का स्वत संज्ञान लिया जाए, जो सांप्रदायिक वैमनस्य और सांप्रदायिक हिंसा को भड़का सकता है। इन हस्तियों में उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों और नौकरशाह शामिल हैं। इन तमाम विरोधाभासी बयानों के बावजूद उदयनिधि स्टालिन अपने बयान पर अड़े हुए हैं। इससे देश में नया राजनीतिक विवाद जारी है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के लिए स्टालिन का यह बयान किसी मुसीबत से कम साबित नहीं हो रहा है। विपक्षी दलों पर विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय के कारण वोट बैंक के ध्रुवीकरण का खतरा पहले से ही मंडरा रहा है। विपक्षी गठबंधन इंडिया कांग्रेस, टीएमसी, आप और वामदलों के आपसी आरोप-प्रत्यारोपों के बीच से जैसे-तैसे एकता की कवायद में जुटा हुआ है। स्टालिन के इस बयान से इस एकता के प्रयासों को झटका लगा है। निश्चित तौर देश की बहुसंख्यक आबादी की भावनाओं को प्रभावित करने वाले इस तरह के संवदेनशील बयानों से गठबंधन की मुसीबतें और बढ़ेंगी। इंडिया के घटक दलों ने यदि इस तरह के बयानों से क्षेत्रीय वोट बैंक को मजबूत करने के लिए के प्रयास नहीं छोड़े तो एकता में दिखाई दे रही दरारों को भरना मुश्किल होगा।

अफ्रीका से लेकर अरब तक- भारत ने आखिर कैसे किया चीनी साजिशों का पर्दाफाश?

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

भारत की राजधानी दिल्ली में हुआ जी-20 का सफल शिखर सम्मेलन, भारत के लिए कई मायनों में बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण रहा। जी-20 जैसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन कर भारत ने दुनिया को यह दिखा दिया कि अब यह भारत वह भारत नहीं है जिसे दुनिया खासतौर से यूरोपीय और अमीर देश सांप-सपेरों के देश के रूप में देखते थे, बल्कि यह नया भारत न केवल उनके साथ खड़ा है बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान भी अब इसी भारत के पास है। रूस यूक्रेन के बीच जारी लड़ाई को लेकर जिस तरह से जी-20 में शामिल देश दो खेमों में बंट गए थे उसे देखते हुए यह आशंका जताई जाने लगी थी कि जी-20 के सम्मेलन में आम सहमति से कोई घोषणा पत्र जारी ही नहीं किया जा सकेगा। एक तरफ जहां चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने भारत ना आकर यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह दिल्ली में होने जा रहे जी-20 सम्मेलन को बहुत ज्यादा तवज्जो या यूं कहें कि ज्यादा महत्व देने को तैयार नहीं है तो वहीं दूसरी तरफ रूस के राष्ट्रपति पुतिन के प्रतिनिधि के रूप में जी-20 सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली आए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बिना किसी लाग-लपेट के सख्त भाषा में स्पष्ट तौर पर यह कह दिया था कि अगर जी-20 के साझा घोषणा पत्र में यूक्रेन युद्ध पर रूस के पक्ष को ध्यान में नहीं रखा गया तो वह इसे नामंजूर कर देगा। ऐसे में असफलता की प्रबल आशंका के साथ जी-20 का यह सम्मेलन शुरू हुआ और भारत ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए एक तरफ जहां अमेरिका के नेतृत्व में यूरोपीय देशों को साधा तो वहीं दूसरी तरफ रूस को भी तैयार किया। दिल्ली घोषणापत्र की शब्दावली को बदला गया और आखिरकार जी-20 के सभी देशों ने इसको सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। बाद में कई देशों ने यह माना कि यह सब भारत की सफल कूटनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत प्रभाव के कारण ही संभव हो पाया। लेकिन दिल्ली का यह सम्मेलन सिर्फ इस लिहाज से ही महत्वपूर्ण नहीं रहा बल्कि भारत ने जी-20 का सफल आयोजन कर अरब से लेकर अफ्रीका तक चीन की कुटिल रणनीति का पर्दाफाश भी कर दिया। इसे यूं भी समझा जा सकता है कि चीन ने अपनी व्यग्रता में खुद ही अपनी भावना को दुनिया के सामने ला दिया कि वह दुनिया में शांति स्थापित करने की प्रक्रिया, आतंकवाद के खात्मे, क्षेत्रीय अखंडता, देशों की स्वतंत्रता, अफ्रीकी गरीब देशों के विकास और यातायात के साधनों के विकास को लेकर एक ऐसी सोच रखता है जिसमें सिर्फ और सिर्फ उसका ही फायदा हो और इसलिए दिल्ली का यह सम्मेलन इस बात के लिए भी याद रखा जाएगा कि भारत ने कूटनीतिक मोर्चे पर चीन जैसे ताकतवर देश को भी अलग-थलग कर दिया। भारत की पहल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत प्रयासों की वजह से दिल्ली की बैठक में जी-20 का विस्तार कर इसमें अफ्रीकी संघ को 21वें स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया। पीएम मोदी ने बैठक की शुरुआत में ही सदस्य देशों के सामने ग्लोबल साउथ के प्रमुख ब्लॉक अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल करने का प्रस्ताव रखा जिसको सभी नेताओं ने स्वीकार कर लिया।

एक नहीं कई टुकड़ों में बँटेगा पाकिस्तान, आतंकवाद का गढ़ अब पूरी तरह ढहने की कगार पर है

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

वर्तमान में पाकिस्तान में जिस प्रकार के स्वर मुखरित हो रहे हैं, उसके निहितार्थ लगाए जाएं तो यही परिलक्षित होता है कि पाकिस्तान की जनता अब अपने ही उन नीति नियंताओं का विरोध करने पर उतारू हो गए हैं, जिन्होंने पाकिस्तान बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। पाकिस्तान के निर्माण के साथ ही राजनीतिक दुष्चक्र में गोता लगाने वाले पाकिस्तान के शासकों ने केवल अपने हित की राजनीति को ही प्रधानता दी। जिसके कारण न तो पाकिस्तान प्रगति कर सका और न ही वहां की जनता का जीवन स्तर ही बेहतर हो सका है। आज इस तथ्य को सभी जानते हैं कि पाकिस्तान की जनता अनेक प्रकार की विसंगतियों का सामना कर रही है। महंगाई का आलम यह है कि जनता इसमें लगातार पिस रही है। दैनिक उपयोग की वस्तुओं के आसमानी भाव ने जनता के माथे पर चिंता की लकीरें स्थापित कर दी हैं। अब पाकिस्तान में एक नई समस्या भी स्थापित हो रही है, जिसमें अब पाकिस्तान की जनता ही अपने शासकों को कोस रही है। इतना ही नहीं वहां की जनता के मुख से पाकिस्तान से आजादी प्राप्त करने की आवाजें सुनाई देने लगीं हैं। इससे हो सकता है कि पाकिस्तान अपनी स्वयं की करनी के कारण टूट कर बिखर जाए। वर्तमान में पाकिस्तान के कई प्रांतों में भारतीयता की झलक देखने को मिल रही है। इसलिए कहा जा सकता है कि पाकिस्तान स्वाभाविक रूप से आज भी भारत का ही अंग है। पाकिस्तान ने बार-बार कश्मीर बोला, भारत ने हमेशा सहन किया। इसके बाद भारत ने एक बार ब्लूचिस्तान के नागरिकों की भावनाओं को व्यक्त किया तो चीन और पाकिस्तान की भौंहें तन गईं। पूरा विश्व इस बात को भली भांति जानता है कि आज बलूचिस्तान, गिलगित और बाल्टिस्तान में जिस प्रकार से मानवाधिकारों का हनन किया जा रहा है, उसमें पाकिस्तान का चेहरा पूरी तरह से बेनकाब हो गया है। इन स्थानों पर अंदर ही अंदर पाकिस्तान के विरोध में वातावरण बना हुआ है। कुछ लोगों ने खुलकर विरोध करना प्रारंभ कर दिया है और कुछ लोग पाकिस्तान के दमनकारी रवैये के कारण डरे सहमे हुए हैं। अगर पाकिस्तान के इन क्षेत्रों के लोगों की भावनाओं को समझा जाए तो यह क्षेत्र किसी भी तरीके से पाकिस्तान के साथ रहना नहीं चाहते। भारत में जिस प्रकार से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिली हुई है, उसी तरह की बोलने की आजादी पाकिस्तान में भी होती तो संभवत- आज पूरे पाकिस्तान में ही विरोधी स्वर सुनाई दे रहे होते। सिंध और बलूचिस्तान की जनता की ओर से जहां भारत में शामिल होने के स्वर सुनाई देने लगे हैं। इतना ही नहीं इन प्रदर्शनकारियों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का खुलकर समर्थन भी किया है। आगे चलकर यह भी हो सकता है कि बलूचिस्तान और सिंध की तर्ज पर पाकिस्तान के पंजाब में भी आजादी की मांग उठने लगे। क्योंकि पंजाब के कई लोग अपने आपको आज भी स्वाभाविक रूप से भारत का हिस्सा ही मानते हैं। वहां भारतीय संस्कृति के अवशेष बिखरे हुए दिखाई देते हैं। इतना ही नहीं वहां के जनजीवन में भी भारतीयता की झलक दिखाई देती है।

अपने गिरेबान में झांकने का समय!

विपक्ष के 'असहयोग' का निशाना बने एंकर्स अपने को शहीद बताते घूम रहे हैं और केंद्र में सत्तारूढ़ दल भाजपा खुल कर उनका समर्थन कर रही है तो दूसरी ओर कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियां इस कदम का बचाव कर रही हैं। पत्रकारों के भी दो खेमे बने हैं और स्वतंत्र विचारकों, लेखकों, व्यंग्यकारों के भी दो खेमे बने हैं। दोनों तरफ से अच्छे-अच्छे रूपक गढ़े जा रहे हैं। फिल्मों की कहानी, गाने आदि लिखने वाले एक प्रतिबद्ध स्टैंड अप कॉमेडियन वरुण ग्रोवर ने बहुत अच्छा रूपक गढ़ा। उन्होंने कहा कि 'अगर मुझे पता चल जाए कि मेरे शहर का एक दुकानदार बहुत खराब तेल में बासी आलू के समोसे बनाता है और मैं उसके यहां से समोसे खरीदना बंद कर दूं तो यह मेरी सेहत की रक्षा के लिए उठाया गया कदम माना जाएगा या उस दुकानदार का हक मारने वाला कदम होगा'? यह बिल्कुल सही रूपक है।

विपक्षी पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' की मीडिया कमेटी ने मुख्यधारा के खबरिया चैनलों से जुड़े 14 एंकर्स के साथ 'असहयोग' का ऐलान किया है। विपक्षी पार्टियां इन एंकर्स के कार्यक्रमों में अपने प्रवक्ताओं या टेलीविजन वक्ताओं को नहीं भेजेंगी क्योंकि विपक्ष को लग रहा है कि ये एंकर देश में नफरत फैलाने के एजेंडे पर काम कर रहे हैं। विपक्षी पार्टियों ने यह फैसला इन एंकर्स के कार्यक्रमों में बहस के लिए रखे जाने वाले विषयों, उसमें बुलाए जाने वाले मेहमानों, बहस की दिशा और इन एंकर्स के अपने आचरण के इतिहास के आधार पर किया है। इसलिए मानना चाहिए कि फैसला सोच-समझ कर किया गया होगा और विपक्षी पार्टियों को इसके असर का अंदाजा भी होगा। इसके पक्ष और विपक्ष में खूब सारे तर्क दिए जा रहे हैं। विपक्ष के 'असहयोग' का निशाना बने एंकर्स अपने को शहीद बताते घूम रहे हैं और केंद्र में सत्तारूढ़ दल भाजपा खुल कर उनका समर्थन कर रही है तो दूसरी ओर कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियां इस कदम का बचाव कर रही हैं। पत्रकारों के भी दो खेमे बने हैं और स्वतंत्र विचारकों, लेखकों, व्यंग्यकारों के भी दो खेमे बने हैं। दोनों तरफ से अच्छे-अच्छे रूपक गढ़े जा रहे हैं। फिल्मों की कहानी, गाने आदि लिखने वाले एक प्रतिबद्ध स्टैंड अप कॉमेडियन वरुण ग्रोवर ने बहुत अच्छा रूपक गढ़ा। उन्होंने कहा कि 'अगर मुझे पता चल जाए कि मेरे शहर का एक दुकानदार बहुत खराब तेल में बासी आलू के समोसे बनाता है और मैं उसके यहां से समोसे खरीदना बंद कर दूं तो यह मेरी सेहत की रक्षा के लिए उठाया गया कदम माना जाएगा या उस दुकानदार का हक मारने वाला कदम होगा'? यह बिल्कुल सही रूपक है। अगर विपक्षी पार्टियों को लग रहा है कि कुछ एंकर नफरत फैला रहे हैं या किसी ज्ञात-अज्ञात कारण से विपक्षी पार्टियों के हितों को नुकसान पहुंचा रहे हैं तो उनके साथ असहयोग करना न तो प्रेस के ऊपर हमला है और न विपक्षी पार्टियों के भय को दिखाता है। यह अपने हितों का ध्यान रखते हुए किया गया सुविचारित फैसला है। हैरानी की बात है कि स्वतंत्र व निष्पक्ष होने का दिखावा करने वाले कई पत्रकार भी कह रहे हैं कि विपक्षी पार्टियों ने अच्छा नहीं किया। एंकर्स के बहिष्कार, जिसे विपक्षी पार्टियां 'असहयोग' कह रही हैं, से अच्छी मिसाल कायम नहीं होती है। लेकिन ऐसा कहने या मानने का कोई आधार नहीं है। विशेष परिस्थितियों में इस तरह के उपाय कई जगह देखने को मिलते हैं। मिसाल के तौर पर संसद में जब कोई सांसद ज्यादा शोर-गुल करता है या असंसदीय आचरण करता है तो स्पीकर या सभापति उसे चेतावनी देते हुए कहते हैं कि

अगर वे शांत नहीं हुए तो उनका नाम लिया जाएगा। टेलीविजन के सीधे प्रसारण में या सदन में मौजूद सदस्यों को दिख रहा होता है कि कौन सांसद हंगामा कर रहा है। फिर भी एक सीमा तक शोर-गुल करने और कार्यवाही में बाधा डालने की इजाजत होती है क्योंकि वह संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा है। परंतु पानी सिर के ऊपर बहने लगे तो फिर नाम लेना पड़ता है। स्पीकर या सभापति सदस्य का नाम पढ़ते हैं। इसको अच्छा नहीं माना जाता है। यही काम विपक्षी पार्टियों ने एंकर्स के मामले में किया है। सबको दिख रहा था कि कौन एंकर किस तरह से खास एजेंडे के तहत विपक्ष को निशाना बना रहा है, विपक्षी नेताओं को अपमानित कर रहा है, झूठ फैला रहा है और समाज में नफरत और विभाजन को बढ़ावा दे रहा है। अगर विपक्षी पार्टियों ने ऐसे एंकर्स की पहचान की है और कुछ लोगों का नाम लिया है तो ऐसा करना उनका अधिकार भी है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा भी है। ध्यान रहे विपक्षी पार्टियों ने सिर्फ एंकर्स के नाम लिए हैं। उनके कार्यक्रम में जाने से मना किया है। इसके अलावा किसी तरह की दमनकारी कार्रवाई नहीं की है, जबकि 11 राज्यों में उन पार्टियों की सरकार है, जो विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का हिस्सा हैं। अगर ये पार्टियां अपने अपने शासन वाले राज्यों से विज्ञापन देना बंद करें, मालिकों पर दबाव डलवा कर एंकर्स या किसी पत्रकार को नौकरी से निकलवाएं, उनको धमकी दें, पुलिस एफआईआर करे, गिरफ्तारी हो, रिपोर्ट रूकवाई जाए, चैनल बंद कराने की धमकी दी जाए तब तो इसे प्रेस की आवाज दबाना कहा जाएगा। यहां तो उलटा है। यहां एंकर्स को नहीं रोका गया है और न कोई कार्रवाई की गई है। विपक्षी पार्टियों ने सिर्फ इतना कहा है कि वे उनके कार्यक्रम में अपने प्रवक्ताओं को नहीं भेजेंगे। इसे प्रेस की आजादी पर हमला करना नहीं कहा जा सकता है। हां, इस पर बहस हो सकती है कि विपक्ष को ऐसा करने से फायदा होगा या नुकसान, लेकिन यह अलग बहस का विषय है। विपक्ष ने जो किया है, अगर उसके गुण-दोष पर यानी मेरिट पर बात करें तो इसमें कुछ भी असंसदीय, अलोकतांत्रिक या अराजनीतिक नहीं है। आखिर भाजपा भी अघोषित रूप से ही सही लेकिन एंकर्स का बहिष्कार करती है! बहरहाल, विपक्ष की ओर से बहिष्कृत एंकर्स ने उसके बाद जो प्रतिक्रिया दी है और देश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी जिस तरह से उनके बचाव में उतरी वह देखना दिलचस्प था। उससे अपने आप यह साफ हो गया कि विपक्षी पार्टियों ने जो किया वह सही किया। भाजपा की ओर से इन पत्रकारों को निष्पक्ष बताया गया और कहा गया कि इन्होंने झुकने से इनकार कर दिया तो विपक्षी पार्टियां उनका बहिष्कार कर रही हैं। लेकिन किसी खास एंकर के कार्यक्रम के बहिष्कार को झुकाने का प्रयास नहीं कहा जा सकता है। विपक्षी पार्टियों के प्रवक्ता उस चैनल के दूसरे कार्यक्रमों में जाएंगे, दूसरे एंकर्स को इंटरव्यू देंगे लेकिन जिनके बारे में यह धारणा है कि वे झूठ और नफरत फैला रहे हैं उनका बहिष्कार करेंगे। वैसे भी सरकारी दल जिन पत्रकारों की तारीफ और बचाव करे विपक्ष को उनसे दूर ही रहना चाहिए। इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा फूहड़ और अश्लील तर्क स्वनामधन्य एंकर्स की तरफ से दिया जा रहा है। एक एंकर ने बहिष्कार को बैज ऑफ ऑनर कहा तो भाजपा के एक नेता ने उनको वारियर्स ऑफ ट्रूथ कहा। सोचें, इनके कार्यक्रम से कौन सा सच सामने आया या किस सच की लड़ाई इन्होंने लड़ी? क्या इनमें से किसी ने चीन की घुसपैठ का सच दिखाया या उस पर सवाल पूछा? चीन ने भारत का बड़ा हिस्सा अपने नक्शे में दिखाया और अरुणाचल प्रदेश के गांवों के नाम बदल दिए तो क्या इनमें से किसी एंकर का खून खौला और उसने भारत की संप्रभुता पर हुए इस हमले को लेकर कोई खबर दिखाई या बहस कराई? डॉलर की कीमत 83.27 रुपए हो गई, पेट्रोल एक सौ रुपए लीटर से ज्यादा दर पर बिक रहा है, दो सौ रुपए कम होने से पहले रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत 11 सौ रुपए से ऊपर थी, तो क्या महंगाई को लेकर इन एंकर्स ने कोई सच दिखाया? सरकारी संपत्तियों को बेचे जाने या राफेल सौदे की गड़बड़ियों या मॉब लिंचिंग को लेकर कोई सवाल उन्होंने उठाया? अडानी-हिंडनबर्ग की रिपोर्ट हो, कश्मीर में लोकतंत्र पर ताला लगाने का मामला हो या अच्छे दिन का वादा हो किसी ने इनका सच नहीं दिखाया। हकीकत यह है कि किसी ने सरकार से एक सवाल पूछने की जरूरत नहीं समझी। उलटे सत्तारूढ़ दल के एजेंडे के हिसाब से विपक्ष को कठघरे में खड़ा करते रहे। इनकी सच की लड़ाई सिर्फ विपक्ष से है। इनके लिए सवाल पूछने का मतलब विपक्ष से सवाल पूछना है। असल में टेलीविजन के ज्यादा न्यूज एंकर्स ने पत्रकार होने की न्यूनतम नैतिकता का ध्यान नहीं रखा है। उन्होंने पत्रकारिता के सिद्धांत को सिर के बल खड़ा कर दिया। वे सरकार से सवाल पूछने की बजाय विपक्ष से लड़ते रहे। वे कहते हैं कि डट कर सवाल पूछते रहेंगे। सोचें, किससे सवाल पूछेंगे? विपक्ष से! वे कह रहे हैं कि झुकेंगे नहीं। इसका क्या यह मतलब नहीं है कि पहले की तरह ही वे सरकार के एजेंडे पर काम करते रहेंगे और विपक्ष से सवाल पूछते रहेंगे! यह पूरी तरह से गलत है फिर भी इस पर आंख बंद की जा सकती है लेकिन अगर कोई पत्रकार सारे समय समुदायों के बीच नफरत फैलाने, समाज में विभाजन और तनाव बढ़ाने का काम करेगा तो कोई भी समझदार आदमी क्या करेगा? आम आदमी टेलीविजन पर न्यूज देखना बंद कर देगा, जैसा बहुत से लोग कर चुके हैं। इसके लिए कोई न्यूज चैनल दबाव नहीं डाल सकता है कि आप क्यों नहीं उसका चैनल देख रहे हैं। उसी तरह विपक्ष ने अपने प्रवक्ता नहीं भेजने का फैसला किया है तो कोई उन पर दबाव नहीं डाल सकता है कि आप प्रवक्ता क्यों नहीं भेजेंगे।

संपादकीय

चिंता की बात

किसी देश की अर्थव्यवस्था का आकलन इस बात से भी किया जाता है कि वहां की मुद्रा का मूल्य क्या है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी साख कैसी है। हालांकि कारोबार या अन्य स्थितियों में आने वाले उतार-चढ़ाव की वजह से कुछ समय के लिए मुद्रा की कीमतों पर असर पड़ सकता है, लेकिन अगर यह स्थिति ज्यादा वक्त तक बनी रहती है तो वह देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली एक कारक बन जाती है। इस लिहाज से देखें तो भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट का जो रुख बना हुआ है, वह चिंता की बात है और इसमें सुधार के लिए कोई रास्ता तत्काल निकालने की जरूरत है। गौरतलब है कि सोमवार को डालर के मुकाबले रुपए के मूल्य में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई, जिसके तहत रुपया 83.29 प्रति डालर तक नीचे आ गया। यों

दीपक कुमार शर्मा

'इंटरबैंक फारेन करंसी एक्सचेंज' बाजार में अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपए में इस उल्लेखनीय गिरावट के लिए कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी को जिम्मेदार बताया जा रहा है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में दूसरी मुद्रा की तुलना में डालर मजबूती के रुख पर है। इसका सीधा असर रुपए पर पड़ा है। कहने को भले आर्थिक स्थिति में लगातार बेहतरी का दावा किया जा रहा हो, लेकिन रुपए में गिरावट से कई आशंकाएं भी खड़ी हो रही हैं। दरअसल, मुद्रा के लगातार ऐसी स्थिति में बने रहने के नतीजे में अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीदें कमजोर और मंदी की संभावनाएं भी खड़ी होने लगती हैं। हाल ही में सामने आए आंकड़े के मुताबिक देश में आयात और निर्यात, दोनों ही मोर्चे पर गिरावट दर्ज हुई है और एक तरह से इस मामले में निराशा हाथ लगी है। इसका स्वाभाविक असर रुपए की कीमत पर देखा जा रहा है। पिछले हफ्ते जारी सरकारी आंकड़ों में बताया गया कि अगस्त में भारत का निर्यात 6.86 फीसद घटकर 34.48 अरब डालर रह गया है। जबकि बीते वर्ष इसी महीने यह आंकड़ा 37.02 अरब डालर का था। इसी तरह आयात में भी गिरावट आई और यह 5.23 फीसद घट कर 58.64 डालर रह गया। साल भर पहले इसी दौरान यह 61.88 अरब डालर का दर्ज किया गया था। किसी देश की मुद्रा की कीमत मांग और आपूर्ति पर आधारित होती है। वैश्विक पूंजी बाजार में जिस मुद्रा की ज्यादा मांग होगी, उसकी कीमत भी अधिक होगी। हालांकि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां कई बार मुद्रा की कीमतों पर असर डालती हैं, लेकिन यह पहले से ही आर्थिक मोर्चे पर संघर्ष कर रहे देशों को प्रभावित करती है।

चुनावों की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है मोहन भागवत का उत्तर प्रदेश दौरा

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में सक्रिय हो गया है। आरएसएस की कार्यशैली से कोई अनभिज्ञ नहीं है। आरएसएस अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए सीधे तौर पर तो राजनीति में नहीं उतरता है, लेकिन उस नेता और पार्टी का समर्थन करने में उसे जरा भी गुरेज नहीं होता है जो उसकी विचारधारा को मानते हैं और उसे आगे ले जाने के संघ के प्रयास का हिस्सा बनते हैं। प्रत्येक चुनाव से पूर्व आरएसएस की सक्रियता बढ़ जाती है, यह स्वाभाविक तौर पर देखा गया है, लेकिन पहले और आज में विशेष अंतर यह नजर आ रहा है कि अबकी से संघ पर्दे के पीछे से नहीं खुलेआम इस बात की घोषणा कर रहा है कि संघ ने लोकसभा चुनाव में अपनी भूमिका तय कर ली है। लोकसभा चुनावों से पहले संघ गांव-गांव अपनी पहुंच बढ़ाने में जुट गया है। जब पूरा देश श्री गणेश उत्सव मना रहा होगा तब संघ प्रमुख मोहन भागवत 22 से 24 सितंबर तक लखनऊ में डेरा डाले होंगे। इससे पहले 19-20 सितंबर को भाजपा और संघ के बीच समन्वय बैठक में चुनाव की तैयारियों को लेकर मंथन होगा। इस बैठक में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार की उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत का चुनाव से पहले होने वाला दौरा अहम है। इससे पहले सर कार्यवाह और सह सरकार्यवाह भी आएंगे। दरअसल, संघ की योजना 2024 के चुनाव से पहले सियासी नब्ज भांपने के साथ अगली तैयारी में जुट जाने की है। दरअसल, भले ही सीधे तौर पर राजनीतिक बातें नहीं करता है, लेकिन संघ के कोर एजेंडे भाजपा के लिए सियासी जमीन तैयार करते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले इसी वजह से संघ प्रमुख मोहन भागवत और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का दौरा अहम माना जा रहा है। संघ अपनी हिंदुत्व की विचारधारा को खासतौर पर दलितों और आदिवासियों के बीच पहुंचाने की तैयारी में जुटा है, जहां अब तक उसकी बात नहीं पहुंच सकी है। दलित बस्तियों में सामाजिक समरसता के कार्यक्रम और भोज भी इसी का हिस्सा हैं। इसके अलावा संघ गांवों में अपनी विचारधारा का विस्तार कर रहा है, ताकि जिन गांवों तक उसकी बात नहीं पहुंच सकी है, वहां भी माहौल बनाया जा सके। सूत्रों के मुताबिक लखनऊ में 19 और 20 को होने वाली बैठक में भाजपा की ओर से एक बजे से प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल मौजूद रहेंगे। बैठक में भाजपा और संघ के साथ मिलकर काम करने पर चर्चा होगी। खासतौर पर 26 सितंबर से शुरू

हो रहे बूथ सशक्तीकरण अभियान को लेकर चर्चा होगी। इसमें नए वोटर बनवाने के लिए हर बूथ पर संघ के स्वयंसेवकों की भी मदद ली जाएगी। कुछ सूत्रों का कहना है कि यह बैठक इस लिए भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा आलाकमान निगम और आयोगों में कार्यकर्ताओं का समायोजन करने जा रही है, इसमें संघ कार्यकर्ताओं का भी समायोजन करने की योजना है। इस बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी ब्रजेश पाठक के अलावा सरकार के कुछ विभागों में मंत्रियों को भी बुलाया जा सकता है। इस दौरान संघ के आनुषांगिक संगठनों के साथ भी मंथन करके अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाली संस्थाओं की समस्याओं पर चर्चा होगी। संघ प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम की बात की जाए तो वह 22 को लखनऊ पहुंचने के बाद प्रांत कार्यकारिणी, क्षेत्रीय कार्यकारिणी के साथ बैठक करेंगे इसमें अलग-अलग सत्र में जिला, विभाग प्रचारक और क्षेत्र प्रचारक मौजूद रहेंगे। इसमें वह यूपी में चल रहे संघ के कामों की समीक्षा करेंगे। संघ की योजना अब गांवों के साथ दलित और आदिवासी बस्तियों तक पहुंचने की है। बैठक का मुख्य एजेंडा यही है कि संघ के कार्यकर्ताओं को बताया जाएगा कि कैसे वह दलितों, आदिवासियों और नए गांवों तक पहुंचें। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी बताते हैं कि आरएसएस विचारधारा के जरिए भी नए लोगों तक पहुंचता है। इसमें सबसे पहले संघ अपने मुख्य काम शाखा विस्तार पर फोकस करेगा। कुछ लोग जो सीधे संघ की रोज लगने वाली शाखा में नहीं आ पाते, उन्हें सामाजिक कामों के जरिए जोड़ा जाएगा। दलितों और आदिवासियों के बीच पैठ बढ़ाने के लिए वहां सामाजिक समरसता भोज, भजन संध्या, नशा मुक्ति के कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। संघ ने पहली बार घुमंतू जातियों पर भी फोकस किया गया है। इनमें नट, वनटांगिया और आदिवासियों के बीच भी नशा मुक्ति अभियान जैसे सोशल वर्क भी संघ करेगा। पहली बार आरएसएस ने हाल ही में खत्म हुए अपने ट्रेनिंग कैंपों में शताब्दी विस्तारक निकाले हैं। इन विस्तारकों के जिम्मे यही काम दिया गया है। वे रोज नए लोगों और नई जातियों से संपर्क करेंगे। संघ भले ही सीधे तौर पर बीजेपी के लिए काम नहीं कर रहा है, पर हिंदुत्व की चर्चा और दलित बस्तियों में सामाजिक समरसता के आयोजनों के जरिए वह बीजेपी के लिए माहौल ही बनाएगा।

इराक सुधराः नया प्रधानमंत्री समझदार?

अमेरिकी आक्रमण को बीस साल हो चुके है और अब इराक में अपेक्षाकृत शांति है। उसने सन् 2017 में इस्लामिक स्टेट को हराया और उसके नतीजे में शिया-सुन्नी टकराव की जिस लहर की आशंका बहुत से लोगों ने जताई थी, उसे भी रोका। इसलिए नागरिकों की मौतों की संख्या में गिरावट आई, तेल का उत्पादन बढ़ा और सरकार की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई। ईरान और अमेरिका सहित विदेशी ताकतों का देश पर प्रभाव कम हुआ है। क्योंकि इराकी राजनीतिज्ञों ने एक ताकत को दूसरी ताकत के खिलाफ खड़ा करने की कूटनीति सीख ली है। एक समय था जब ईराक गृहयुद्ध और पंथों में बंटे होने के लिए बदनाम था। उसे प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद उभरी अरब व्यवस्था के ढहने का प्रतीक माना जाता था। लेकिन ये सब बीते कल की बात है। आज बगदाद, कई अन्य मध्यपूर्व देशों की राजधानियों की तुलना में अधिक सुरक्षित माना जाता है। दुनिया को लगता है कि यह शांति और स्थिरता, अमेरिका द्वारा सद्दाम हुसैन का राज खत्म कर देने का नतीजा है। वास्तव में अमेरिका का इराक पर हमला एक असफल, खर्चीली और विनाशकारी कवायद थी, जिसने अमेरिका को शर्मिंदा किया और ईराक को अपमानित। सन् 2019 में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार 62 प्रतिशत वयस्क अमेरिकी, जिनमें ईराक युद्ध में भाग ले चुके ज्यादातर सैन्यकर्मी भी शामिल हैं, मानते हैं कि वह युद्ध लड़े जाने लायक नहीं था। अमेरिकी राष्ट्रपति बुश ने उस समय सारी दुनिया को बताया था कि यह आक्रमण इराक की जनता को एक हिंसक और अधिनायकवादी सरकार से 'मुक्ति' दिलाने के लिए किया जा रहा है। किंतु इसमें करीब 2,00,000 ईराकी प्रत्यक्ष हिंसा में मारे गए और दसियों लाख अप्रत्यक्ष हिंसा में (जैसे स्वास्थ्य सुविधाओं, भोजन, साफ़-सफाई और पानी की कमी)। इस हमले के कारण उत्पन्न हुई अस्थिरता की वजह से इस्लामिक स्टेट (आईएस) द्वारा सन् 2014 से 2017 के बीच और ज्यादा मानवाधिकार हनन और हिंसा की गई।

लेकिन आज इराक में हालात पहले से बेहतर हैं। बीस साल पहले अमेरिका के तत्कालीन विदेश मंत्री कोलिन पावेल ने संयुक्त राष्ट्र में वह कुख्यात भाषण दिया था जिसमें उन्होंने दुनिया को अमेरिका द्वारा हासिल की गई उस कथित ठोस गुप्त जानकारी के बारे में बताया था जिसके अनुसार इराक सामूहिक विनाश के हथियारों का भंडार बना रहा था। और इस सप्ताह न्यूयार्क में उसी संयुक्त राष्ट्र महासभा को इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुडानी संबोधित करेंगे और दुनिया को बताएंगे कि वे ही ऐसे नेता हैं जो अपने देश की दो पुरानी समस्याओं- भ्रष्टाचार और अस्थिरता ङ्क को हल करेंगे। वे दुनिया को बताएंगे कि सद्दाम हुसैन के बाद की पीढ़ी के राजनीतिज्ञ होने के नाते वे अपनी जनता और उसकी बदलाव की आकांक्षा को समझ पाए हैं। वे दुनिया को बताएंगे कि इराक अपने अतीत को पीछे छोड़ चुका है और एक स्थिर राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में एक भरोसेमंद साथी बन सकता है। किंतु एक स्थिर राष्ट्र होने के बावजूद इराक उन समस्याओं से जूझ रहा है जिनका मुकाबला एक स्थिर राष्ट्र को भी करना पड़ता है। इनमें शामिल है ग्लोबल वार्मिंग ङ्क इराक लगातार चौथे वर्ष सूखे का सामना कर रहा है और एक कृषि विज्ञान स्नातक होने के नाते अल सुडानी इस संकट को अच्छे से समझते हैं। एक ऐसा देश जिसमें भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं और जहां अधिकांश नौकरियां सरकारी क्षेत्र में हैं और जहां एक अल्प वेतन वाली नौकरी हासिल करने के लिए भी आवेदकों को या तो घूस देना पड़ती है या किसी राजनीतिज्ञ की मदद लेनी पड़ती है। पश्चिमी व्यवसायी भयावह भ्रष्टाचार, नौकरशाही द्वारा खड़ी की जाने वाली बाधाओं और राजनैतिक असुरक्षा के चलते इराक में निवेश नहीं करना चाहते। लंबे समय से इराक पर नजर रखने वाले विश्लेषकों ने चेताया है कि अल-सूडानी के सत्ताधारी गठबंधन में शामिल कुछ लोग, पश्चिमी देशों और सऊदी अरब से निकटता की उनकी पहल के पक्ष में नहीं हैं। पिछले वर्ष हुए चुनावों में वर्तमान प्रधानमंत्री की जीत इसलिए हुई क्योंकि वे स्वयं शिया मुसलमान हैं और इराक के सुन्नी व कुर्द सहित सभी पक्ष उनके नाम पर सहमत थे। किंतु उनकी विजय के बाद से उनके कुछ शिया राजनैतिक समर्थक उनके आलोचक हो गए हैं क्योंकि प्रधामंत्री अपनी प्राथमिकताओं पर जोर देने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री अल सुडानी की संयुक्त राष्ट्र संघ की इस सप्ताह की यात्रा का एक प्रमुख लक्ष्य है यूरोप और अमेरिका से और निवेश लाना करना और प्राकृतिक गैस के उत्पादन के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण हेतु सुन्नी अरब देशों की और अधिक मदद हासिल करना। इससे अंततः इराक ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक आत्मनिर्भर हो सकेगा और उसकी ईरान पर निर्भरता कम होगी, जो आज इराक की 35 से 40 प्रतिशत ऊर्जा की मांग की पूर्ति करता है। हाल में ईरान और इराक को जोड़ने वाले एक रेलमार्ग के निर्माण पर सहमति बनी है। ईरान के इराक पर लगातार बढ़ते प्रभाव को लेकर कई लोगों का मानना है कि इससे इराक, ईरान की गोदी में बैठने की ओर जा रहा है। लेकिन अभी अल सुडानी का ध्यान शांति कायम रखने पर केन्द्रित है क्योंकि आर्थिक विकास और विदेशी निवेश की उनकी आशाएं पूरी होने के लिए स्थिरता आवश्यक है।इराक आज बीस साल बाद परिपक्व हो गया है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक दीपक कुमार शर्मा द्वारा जॉय प्रिंटर्स प्लॉट नं 3जी -142, एनआईटी फरीदाबाद से मुद्रित एवं 903 सैक्टर-8, फरीदाबाद 121006 (हरियाणा) से प्रकाशित।
संपादक- दीपक कुमार शर्मा

RNI No. HARBIL/2016/74676

Mob. 8527791656, 9899222656,

फरीदाबाद-पलवल का यमुना से लगता क्षेत्र कण्ट्रोल एरिया घोषित कर विकास का नया मास्टर प्लान तैयार होगा: मुख्यमंत्री मनोहर लाल

एफएमडीए की चौथी बैठक में वर्ष 2023-24 का 878.23 करोड़ रुपये का बजट किया मंजूर

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट आने से फरीदाबाद व पलवल जिला में विकास की नयी संभावनाएं खुलीं हैं। ऐसे में जेवर के साथ लगते हरियाणा के फरीदाबाद व पलवल जिलों का सुनियोजित विकास हो इसके लिए यमुना क्षेत्र को कण्ट्रोल एरिया घोषित कर नया मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल बुधवार को फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) की चौथी बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में एफएमडीए के माध्यम से फरीदाबाद शहर के विकास को गति देने के लिए वर्ष 2023-24 के लिए कुल 878.23 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गयी। बैठक में वर्ष 2031 तक भविष्य की जनसंख्या वृद्धि और संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकताओं की कल्पना करते हुए शहर के बुनियादी ढांचे में सुधार, नागरिक सेवाओं को बढ़ाने और बेहतर पर्यावरण में योगदान देने के लिए तैयार की गई प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी। एफएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री ए. श्रीनिवास द्वारा विकास का एजेंडा प्रस्तुत किया गया जिसे मुख्यमंत्री ने शहर के उत्थान और बड़े पैमाने पर जनता के लाभ के लिए मंजूरी प्रदान कर दी। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि फरीदाबाद के भविष्य के दृष्टिकोण और विजन के साथ एफएमडीए ने शहर में 2031 तक अनुमानित जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखते हुए एक मजबूत विकास योजना विकसित की है। अगले कुछ वर्षों में फरीदाबाद के विस्तार और विकास में सहयोग के लिए आज प्राधिकरण की बैठक में कुछ प्रमुख विकास योजनाएं प्रस्तुत की गईं। कई प्रमुख प्रस्तावित परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी गई है और आगे के कार्य क्षेत्र को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। लघु सचिवालय में आयोजित बैठक में केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, फरीदाबाद के विधायक श्री नरेंद्र गुप्ता, बडखल की विधायक श्रीमती सीमा त्रिखा, तिगांव के विधायक श्री राजेश नागर, पृथला के विधायक श्री नयनपाल रावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, मंडलायुक्त विकास यादव, पुलिस आयुक्त राकेश आर्य, जिला उपायुक्त विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त ए. मोना श्रीनिवास, एचएसवीपी की प्रशासक डॉ. गरिमा मित्तल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि फरीदाबाद विकास योजना-2031 के अनुसार पूरे फरीदाबाद शहर की वर्तमान और संभावित आबादी के लिए थोक पेयजल की आपूर्ति के लिए मास्टर प्लान एफएमडीए द्वारा तैयार किया गया है। वर्तमान में, फरीदाबाद में पानी की उपलब्धता 330 एमएलडी है और एफएमडीए द्वारा 12 नए रैनी वेल्स का निर्माण कार्य चल रहा है जिससे आपूर्ति क्षमता 450 एमएलडी तक पहुंच जाएगी। बैठक में अतिरिक्त 22 रैनी वेल्स, 70 ट्यूबवेलों और बूस्टिंग स्टेशनों के निर्माण द्वारा वर्ष 2031 के लिए जल आपूर्ति को 450 एमएलडी से बढ़ाकर 700 एमएलडी करने का प्रस्ताव प्राधिकरण की बैठक में प्रस्तुत किया गया।

संक्षिप्त समाचार

आरडब्बलूए ने पार्क हॉस्पिटल के सामने वाली दीवार करा कर के लगाया ताला

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद पार्क होस्पीटल वाली रोड ब्लांक डी टू सेक्टर 10 के दो गेट पडते है हॉस्पिटल की वजह से बहारी लोग गाड़ीयो में शराब पीना व उची आवाज़ में म्यूज़िक चलाने वाले से स्थानीय निवासी राजेन्द्र अग्रवाल व अन्य निवासी बहुत परेशान थे। जिसकी शिकायत ब्लांक के पर प्रधान जगजीत सिंह नैन ,संरक्षक राजेन्द्र सिंह बीसला ,नहर पार किसान संघर्ष समिति ग्रेटर फ़रीदाबाद के अध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता शिवदत्त वशिष्ठ से की।जिसमें अधिकतर डॉक्टरों की गाड़ियां पार्क हॉस्पिटल में आने वाले कर्मचारियों की गाड़ियों व बहारी लोगों की गाड़ियों के खड़ी होने की वजह से सेक्टर वासियों का निकलना मुश्किल हो गया था।कई बार कहने के बाद भी हॉस्पिटल ने अपने डॉक्टरो व बहारी लोगों की गाड़ियों को ब्लांक के अन्दर खड़े होने से नहीं रोका।आर डब्ल्यूए ने क़दम उचित कदम उठाते हुए पार्क हॉस्पिटल वाले गेट व दीवार करा कर बंद कर दिया।आर डब्ल्यू ए के महासचिव इंजीनियर अनूप वशिष्ठ एडवोकेट ने कहा इस दीवार के बंद होने से अब ब्लांक के लोग अपने आप सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। क्योंकि इस गेट व दीवार ना होने की वजह से आवारा पशु ब्लांक में लगे हुए पौधे को खा जाते और गन्दी फैलाते थे।गेटों व दीवार ना होने की वजह से शरारती तत्व शराब पीकर के उत्पात मचाते थे।अब कोई भी बाहरी व्यक्ति ब्लॉक के अन्दर आकर गाड़ी खड़ी नहीं कर सकता।शांय के समय तो इस रोड के ऊपर ऐसे हालात बन जाते थे। जैसे कोई मेला लगा हुआ है।

एस आर एस स्कूल की अनिका ने एस जी एफ आई खेलों में किया बेहतरीन प्रदर्शन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। सोनीपत में चल रही 56वीं एस जी एफ आई प्रतियोगिता में एस आर एस इंटरनेशनल स्कूल, फरीदाबाद, सेक्टर 88 की छात्रा अनिका गुप्ता ने मुक्केबाजी प्रतियोगिता में शहर व विद्यालय का नाम रोशन किया है। अनिका ने अंडर 17 आयु वर्ग के 80 किलोग्राम से अधिक भार के बालिका वर्ग में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। अनिका की इस सफलता पर विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर विनय गोयल, प्रधानाचार्या कृष्णा मिश्रा, विद्यालय प्रबंधक तेज प्रकाश पांडेय और समस्त विद्यालय स्टाफ ने शुभकामनाएँ दी हैं और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में मेडिकल कैंप आयोजित

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने पार्क हॉस्पिटल गुरुग्राम के सहयोग से बुधवार को पलवल के दुधौला कैम्पस में एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस चिकित्सा शिविर का उद्घाटन कुलपति डॉ. राज नेहरू द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने इस मौके पर कहा कि प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और बदलती जीवन शैली के कारण बीमारियों की संख्या में वृद्धि हुई है। इसलिए इलाज का खर्च चिंता का विषय बन गया है। यह चिकित्सा शिविर सभी के लिए बहुत मददगार होगा और विश्वविद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के शिविरों का आयोजन करेगा।

लिटरेसी अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत कैंप का आयोजन: एसएल खत्री

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुकीर्ति गोएल के कुशल मार्गदर्शन में आज बुधवार को ओल्ड फरीदाबाद स्थित राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा राजकीय प्राइमरी विद्यालय में ÷लिटरेसी अवेयरनेस कार्यक्रम÷ के अंतर्गत कैम्पों का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को जेजे एक्ट, पास्को एक्ट सहित अन्य कानूनी जानकरी दी। कैम्पों में एडवोकेट जीत सिंह रावत, पीएलवी हरदीप कौर, पीएलवी करण द्वारा बच्चों को बारिकी से जानकारी दी गई। इसके साथ ही जिला बाल संरक्षण इकाई से प्रवीण कुमार ने भी पास्को एक्ट, जेजे एक्ट पर प्रकाश डाला। जिला बाल कल्याण अधिकारी एसएल खत्री ने भी बच्चों के सम्मुख अपने विचार रखें और बच्चों को परिवार के साथ साथ देश की अमूल्य निधि बताया तथा उदाहरण देकर बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में जागृत करते हुए बताया कि, की किसी अनजान व्यक्ति के किसी भी प्रकार के प्रलोभन में ना आये ऐसी घटना की जानकारी अपने माता पिता को दे और सुरक्षित रहे तथा बच्चे किसी भी प्रकार की शिकायत एवं सुरक्षा के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन टोलफ्री नम्बर 1098 पर बता सकते हैं जो 24*7 कार्य करता है। कार्यक्रम अधिकारी श्री अनिल दहिया ने बच्चों से अनुरोध किया कि वह अपने फीडबैक लिखकर उपलब्ध करवाये। जिससे बच्चों की समस्याओं का तार्किक एवं आधुनिक तरीके से समाधान हो सके। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य गीता उर्मिल, ऊषा, हेमलता, रेखा, टेकचन्द व पूनम उपस्थित रहे।

पराली का प्रबन्धन करने पर किसानो को प्रति एकड़ मिलेगी 1000 रु प्रोत्साहन राशि: डीसी विक्रम सिंह

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि धान कटाई का सीजन नजदीक आ गया है। इसलिए पर्यावरण एवं जन हित और एनजीटी की गाइड के अनुसार किसान पराली में आग न लगाये बल्कि उसका उचित प्रबंधन करना सुनिश्चित करें। हरियाणा सरकार द्वारा पराली का मशीनों के माध्यम से प्रबन्धन करने पर प्रति एकड़ 1000 रु. प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि किसान अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराये। किसान अपने खेत में जिस कृषि यंत्र द्वारा पराली का प्रबन्धन करवाए उसका जीपीएस लोकेशन वाली तस्वीर व एक मिनट का विडियो रिकॉर्ड अपने पास अवश्य रखेंगे। पोर्टल पर पंजीकृत किसानो द्वारा किये गए पराली प्रबंधन के कार्य का सत्यापन ग्राम स्तरीय कमेटी द्वारा किया जाएगा। इसका लाभ प्राप्त करने के लिए किसान विभाग के वैब पोर्टल पर आगामी 30 नवम्बर 2023 तक अपना पंजीकरण अवश्य करवाएं। इससे पहले किसान का मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकृत होना अनिवार्य है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सहायक कृषि अभियंता डॉ विजय कुमार यादव ने बताया किसानो को कृषि यंत्रो से पराली प्रबन्धन करने पर प्रति एकड 1000 रु. सहायता राशि के रूप में दिए जायेंगे। पराली की जुताई करने से खेतो की उपजाऊ शक्ति बढ़ेगी। इससे किसानो को फायदा होगा। बीते दो वर्षो से स्ट्रा बेलर से फसल अवशेषों की गाँठ बनाने पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग प्रति एकड 1000 रु की दर से सहायता राशि दे रहा है। पिछले वर्ष से किसानो को छह प्रकार के फसल अवशेष प्रबन्धन पर कृषि यंत्र जैसे सुपर सीडर, हैप्पी सीडर रेवर्सिबल एमबीप्लो (पल्टू हल), जीरो टिल सीड कम फ़र्टिलाइज़र ड्रिल मशीन, रोटावेटर व हेरो की मदद से फसल अवशेषों को मिटटी में मिलाये जाने पर भी प्रति एकड 1000 रु. प्रोत्साहन राशि देने का फैसला लिया है। उन्होंने किसानो से कहा है कि धान की कटाई शुरू होने वाली है। किसान कृषि यंत्रो से पराली प्रबंधन करे। इससे धरती के मित्र कीट व पोषक तत्व नष्ट नहीं होंगे, बल्कि रासायनिक खादों पर होने वाला खर्च भी कम होगा।

वैश्य मोटर साईकिल चेतना यात्रा का पूर्व मंत्री विपुल गोयल के कार्यालय पर हुआ भव्य स्वागत

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। साथियों आपको बतादें की 15 सितम्बर कों पंचकूला से शुरू हुई वैश्य मोटर साईकिल चेतना यात्रा का कल फ़रीदाबाद में आगमन हुआ जिसका वैश्य समाज के लोगों ने फ़रीदाबाद में पहुँचने पर जगह-जगह फूल मालाओ से भव्य स्वागत किया व जलपान की व्यवस्था भी रखी। इस मोटरसाइकिल चेतना यात्रा का एक पड़ाव कल सांय पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल के कार्यालय पर भी रहा जहाँ पूर्व मंत्री ने यात्रा में आये हुए लोगों का फूल मालाओ से स्वागत करते हुए कहा की इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत समाज के लिए बहुत ही अच्छा कदम है और ज़ब हरियाणा के सभी जिलों से गुजरते हुए इस यात्रा का समापन 25 सितम्बर को सिरसा में होगा तो इसका परिणाम भी सामने आएगा जोकी सर्व वैश्य समाज को जोड़ने में ये मोटरसाईकिल यात्रा एक मील का पत्थर साबित होगी। पूर्व मंत्री ने इस अवसर पर कहा की अग्रवाल समाज के कुल 18 गोत्रों के प्रतीक के तौर पर चल रहे अलग -अलग 18 मोटर साइकिलों की यह यात्रा महाराज अग्रसेन के सिद्धांतो कों जिन्दा रखकर एक संदेश देते हुए चल रही है और इस यात्रा को लेकर समाज में भारी उत्साह है। इस मोके पर पूर्व मंत्री ने मोटरसाईकल यात्रा का प्रतिनिधित्व कर रहे मनीष गोयल कों महाराजा अग्रसेन की मूर्ति भेंट करते हुए सम्मानित किया और यात्रा में शामिल सभी लोगों का फूल मालाओ से स्वागत करते हुए कहा की हमारे वंशज एक कर्मयोगी लोकनायक तो थे ही साथ में संतुलित एवं आदर्श समाजवादी व्यवस्था के निर्माता भी थे और आज यही सन्देश पुरे हरियाणा प्रदेश में ये बाइक यात्रा लेकर चल रही हैं इसलिए हम सबको उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मोके पर पंडित मुकेश शास्त्री पूर्व चेयरमैन मार्किट कमेटी, संत गोपाल गुप्ता प्रधान आरडब्लूए सेक्टर 16ए व अग्रवाल संस्था ओल्ड, सोनू शर्मा, पार्थ पाराशर, मनीष राघव, कुलदीप सिंघल प्रधान सेक्टर 18ए, जवाहर बंसल, मनोज गोहाना एडवोकेट युवा प्रदेश अध्यक्ष, उत्कर्ष गर्ग, अमन गोयल, लवकेश सिंगला एडवोकेट, रोहन गर्ग, राहुल गर्ग युवा प्रदेश अध्यक्ष अग्रोहा विकास ट्रस्ट, बलराम मंगला, मनीष गोयल यात्रा संयोजक, अनिल जैन, विवेक गुप्ता, सचिन बंसल व अन्य काफ़ी लोग मौजूद थे।

आभूषण चोरी करने के मामले में क्राइम ब्रांच डीएलएफ ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम हेमेंद्र कुमार मीणा के दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच डीएलएफ प्रभारी व उनकी टीम ने घर से आभूषण चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है एम पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में हरजीत(28), वीरसिंह उर्फ विरू(25) तथा नानक(26) का नाम शामिल है। तीनों आरोपी फरीदाबाद के शेरपुर ढाढर गांव के रहने वाले हैं। दिनांक 16 सितंबर को इसी गांव के रहने वाले विनय कुमार ने पुलिस थाना भूपानी में अपनी शिकायत दी थी जिसमें उसने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ नोएडा में नौकरी करता है और उसके बच्चे घर पर रहते हैं। उन्होंने बताया कि अपने सोने व चांदी के कुछ आभूषण जिसमे सोने का 1 मंगलसूत्र, 1 अंगूठी, कानों की 1 जोड़ी बाली, 1 नोजपिन तथा चांदी की 1 जोड़ी पाजेब शामिल है, घर पर रखे हुए थे। उन्होंने एक दिन पहले जब आभूषण चेक किए तो वह वहां पर नहीं थे। उन्होंने कहा कि उन्हें उक्त आरोपियों पर शक है जो उनके घर पर आते जाते रहते हैं। पीड़ित की शिकायत के आधार पर थाने में चोरी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू की गई।

नवनियुक्त एसपी के पदभार संभालते ही पलवल पुलिस को मिली बड़ी सफलता

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

पलवल। पलवल पुलिस को मिली बड़ी सफलता के बारे में खुलासा करते हुए। एसपी डॉ0 अंशु सिंगला, आईपीएस ने बताया कि अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश मुहिम तहत क्राइम ब्रांच पलवल प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद इलियास की टीम ने थाना शहर व कैंप पलवल क्षेत्र अंर्तगत पिछले दो महीने में हुई लुटपाट की संगीन आधा दर्जन वारदातों को अंजाम देने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुये गैंग के सभी तीनों सदस्यों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। एसपी ने पूरे प्रकरण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पहली वारदात में दिनांक 16.9.23 को श्रीमति कमलेश बंसल सुबह 5:30-6:00 ए0एम0 अपने घर से लक्ष्मी नारायण मन्दिर में दर्शन के लिये जा रही थी। तभी पीछे से एक बाईक जिस पे 3 अज्ञात व्यक्ति सवार थे जिन्हानें उन्हें गिराकर दबोचा और उनके दोनो कानो की सोने की बालियाँ छीनकर भाग गए। जिस संबंध में पीडिता के पोते डा0 विशाल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। दूसरे मामले में दिनांक 10.7.2023 को श्रीमति पुष्पा नरुला उम्र करीब 65 वर्ष न्यू कालोनी, श्रदानंद पार्क से सैर करके घर वापिस आ रही थी तभी पार्क के साथ वाली गली में एक लड़का पीछे से आया उसके दोनों कानो की बाली / कुन्डल झपट लिये और वहाँ से भागा जो कि कुछ दूरी पर मोटर साईकिल पर उसका एक साथी पहले से मौजूद था। शोर मचाने पर वो दोनो व्यक्ति वहां से गुरुद्वारे की तरफ भाग निकले। इस संबंध में श्रीमति पुष्पा नरुला की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। तीसरे मामले में दिनांक 26.7.23 को शान्ति देवी निवासी मकान 669 बाली नगर पलवल, उम्र 69 साल दोपहर लगभग 1ः35 मिनट पर अपने घर के बाहर कुर्सी पर बैठी थी जिनका मुँह अपने घर के अंदर की तरफ था इतने में एक युवक पीछे से आया और उसके दोनों कानो की बालियाँ छीनकर भाग गया। इस संबंध में पीडिता के लड़के नरेश कुमार सेठी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। चौथे मामले में दिनांक 14.8.23 को पुष्पा देवी निवासी बसन्त बिहार कालोनी समय सुबह 10.15 बजे मन्दिर से पूजा करके घर आ रही थी तभी दो लड़के मोटर साईकिल पर पीछे से आये और उसके दाहिने कान का कुन्डल छीन कर भाग गये। इसके अलावा पांचवी वारदात में दिनांक 14.8.23 को ही श्रीमति शीला देवी निवासी आदर्श कालोनी गली नं. 7 पलवल के भी करीब 2.0 बजे मोटर साइकल सवार दो लडकों ने कुन्डल छीनने की वारदात को अंजाम दिया। दोनों वारदातों के संबंध में मामला दर्ज किया गया। छठे मामले में दिनांक 13.9.23 समय 8.35 पीएम पर उषा रानी जो कि मंदिर से घर रही थी तभी दो लडके बाईक से आये और दाहिने तरफ की बाली को छीन कर भाग गये। इस संबंध में पीडिता के लंडके विकास कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया।

फरीदाबाद में महिला सुरक्षा के लिए सेफ सिटी पहल के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए डायल 112 पर रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए किया जागरूक

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य के दिशा निर्देश के तहत कार्य करते हुए सीनियर सिटीजन सेल प्रभारी इंस्पेक्टर सविता तथा दुर्गा शक्ति की टीम ने लिंग्यास यूनिवर्सिटी में छात्रों को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा संबंधित सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरुक करते हुए जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर कॉलेज चांसलर डॉक्टर पीचेश्वर, प्रो चांसलर एमके सोनी, वाइस चांसलर एमपी गुप्ता, रजिस्ट्रार प्रेम कुमार सालवान, इवेंट कोऑर्डिनेटर निशि कालरा व अध्यापकगण सहित 300 से अधिक विद्यार्थी मौजूद रहे। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि छात्रों को जागरूक करने के लिए सीनियर सिटीजन सेल व दुर्गा शक्ति की टीम कॉलेज पहुंची जहां पर कॉलेज प्रशासन ने पुलिस टीम का भव्य स्वागत किया और छात्रों को जागरूक करने के लिए मंच पर आमंत्रित किया। इंस्पेक्टर सविता ने वहां पर मौजूद छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को महिला विरुद्ध अपराध के बारे में जागरूक करते हुए फरीदाबाद पुलिस की सेफ सिटी मुहिम के बारे में बताया कि महिलाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान करने के लिए माननीय पुलिस आयुक्त द्वारा सेफ सिटी पहल की शुरुआत की गई है जिसके लिए रात्रि के समय यात्रा करने वाली महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में कुछ अहम कदम उठाए गए हैं। इसके लिए महिलाओं को डायल 112 पर रजिस्ट्रेशन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जो महिलाएं रात के समय यात्रा करती हैं वह डायल 112 पर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकती हैं। इसका फायदा यह होगा कि रजिस्ट्रेशन करने के बाद जब वह डायल 112 पर फोन करेंगे तो उन्हें दोबारा से अपनी सारी जानकारी नहीं देनी पड़ेगी बल्कि रजिस्ट्रेशन करने के परिणामस्वरुप उनकी सारी जानकारी पुलिस के पास पहले से मौजूद होगी इसलिए महिलाओं का समय भी बचेगा और उन्हें तुरंत मदद भी पहुंचाई जा सकेगी। इसके साथ ही फरीदाबाद में ऑटो चालकों का डाटा एकत्रित किया जा रहा है जिसमें ऑटो चालकों को एक यूनिक नंबर अलॉट किया जाएगा ताकि उनको ट्रैक करना आसान हो।

एक्सप्रेस न्यूज

ब्राजील के अमेजन विमान हादसे में 14 लोगों की मौत

साओ पाउलो, (एजेंसी)। उत्तरी ब्राजील के अमेजोनस राज्य के अंतर्देशीय शहर बार्सिलोस में शनिवार को एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 14 लोगों की मौत हो गई। अमेजॅानस के गवर्नर विल्सन लीमा ने कहा कि वे सभी पर्यटक थे जो मछली पकड़ने की यात्रा पर जा रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि सभी पर्यटक ब्राजील के थे। यह बताया गया कि पायलट को मछली पकड़ने के खेल स्थल बार्सिलोस में लैंडिंग के लिए रनवे ढूंढने में परेशानी हुई। दुर्घटनाग्रस्त विमान एम्ब्रेयर ईएमबी 110 बैंडेइरेंटे कम्पनी के मालिक, मनौस एयरोटैक्सी एयरलाइन ने दुर्घटना की पुष्टि की।

ईडी ने भोजा हेमंत सोरेन को समन, 23 को बुलाया

रांची, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को फिर से समन भेजकर 23 सितंबर को उपस्थित होने को कहा है। इससे पहले ईडी ने जमीन खरीद-बिक्री मामले में मुख्यमंत्री को तीसरा समन भेज कर पूछताछ के लिए नौ सितंबर को हाजिर होने को कहा था। हालांकि मुख्यमंत्री श्री सोरेन पूछताछ के लिए ईडी दफ्तर नहीं गये और वह जी-20 समिट के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित भोज में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना हो गये थे।

मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने पर 3 हिरासत में

बरेली, (एजेंसी)। थाना भुता स्थित गांव केसरपुर में एक मौलवी की सलाह पर प्राचीन शिव मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने वाली मां बेटी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और उनसे पूछताछ की जा रही है। थाना भुता में गांव केसरपुर निवासी प्रेम सिंह (ग्राम प्रधान पति) ने शुक्रवार देर शाम अवगत कराया था कि उत्तर दिशा स्थित प्रचीन शिव मन्दिर परिसर में सबिना (19) पुत्री जाकिर हुसैन व नजीरा (38) पत्नी जाकिर हुसैन ने बैठकर नमाज अदा की थी।

राइफल से एक्सीडेंटल फायरिंग, एक की मौत

बांदीपोरा, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में रविवार को सेना के एक जवान की सर्विस राइफल से गलती से फायरिंग हो गई। इससे एक जवान की मौत हो गई, जबकि एक अन्य साथी घायल हो गया। बांदीपोरा जिला पुलिस ने इसकी जानकारी दी। मामला 14 राष्ट्रीय राइफल्स के कैंप का है। रविवार को कैंप में एक जवान की राइफल गलती से जमीन पर गिर गई, जिससे राइफल से फायरिंग हो गई। गोलियां दो जवानों को लगीं। दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरे का अभी इलाज चल रहा है।

टूलकिट मामले में रमन सिंह और संबित पात्रा के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने का आदेश

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने टूलकिट मामले में बुधवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने का आदेश दिया है। भाजपा नेताओं के अधिवक्ता विवेक शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश की युगल पीठ ने टूलकिट मामले में सिंह और पात्रा को राहत दे दी है। न्यायालय ने दोनों नेताओं के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का आदेश सुनाया है। शर्मा ने बताया कि 12 सितंबर को सुनवाई के बाद न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

आधुनिक तोप-मिसाइल, राकेट और ड्रोन से लैस होगी सेना, बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चीन और पाकिस्तान के दोहरे मोर्चों पर उत्पन्न चुनौतियों तथा युद्ध में प्रौद्योगिकी की दिनों दिन बढ़ती भूमिका को देखते हुए सेना किसी भी जंग में दुश्मन की कमर तोड़ने वाली आर्टिलरी रेजिमेंट यानी तोपखाना रेजिमेंट की मारक क्षमता बढाने और इसे सटीक तथा विश्वसनीय बनाने के लिए अत्याधुनिक तोप, मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन तथा गोला बारूद से लैस करने में जुटी है।

पिछले करीब डेढ़ वर्ष से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के विश्लेषण के आधार दुनिया भर की सेनाओं ने इस बात को माना है कि भले ही बीते दशकों में युद्ध का स्वरूप कितना ही बदल गया हो लेकिन किसी भी जंग को जीतने के लिए अत्याधुनिक, सशक्त और नवीनतम प्रौद्योगिकी पर आधारित हथियारों से लैस आर्टिलरी बहुत जरूरी है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने आर्टिलरी रेजिमेंट के महत्व को स्थापित करने के साथ साथ इस बात को भी साबित किया है कि अब सेनाओं को लंबी लड़ाईयों के लिए तैयार रहना होगा। इसके लिए पर्याप्त संसाधन और हथियारों की जरूरत होगी।

कम समय में सटीक वार करने वाली के-9 वज्र तोप खरीदेगा भारत

सेना का अनुमान है कि रक्षा क्षेत्र में स्वेदशीकरण की रफ्तार को देखते हुए अगले डेढ़ दशक में उसके तोपखाने में सभी हथियार और तोप स्वदेशी होंगे। सूत्रों ने कहा कि चीन और अन्य बड़े देशों की सेना अब अपनी सभी तोपों को 155 एमएम की तोप में बदल रहे हैं और इसे देखते हुए भारतीय सेना भी 155 एमएम की अधिक से अधिक तोप खरीदने की योजना पर काम कर रही है। इसके अलावा सेना कम समय में सटीक वार करने वाली करीब 100 के-9 वज्र तोप खरीदने जा रही है। चीन के साथ जारी तनाव को देखते हुए भी इन तोपों की खरीद को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

5 राज्यों के विस चुनावों में जीतेगी कांग्रेस

हैदराबाद, । कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूएसी) ने इस साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टी के पक्ष में जनादेश मिलने की उम्मीद जताते हुए रविवार को कहा कि पार्टी आगे की लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है।

पार्टी की विस्तारित कार्य समिति की बैठक के बाद पारित प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि देश की जनता बदलाव चाहती है। कार्य समिति ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों पर भी जोर दिया है। प्रस्ताव में कहा गया है, विश्वास है कि कांग्रेस को इस साल मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम, राजस्थान और तेलंगाना के लोगों से निर्णायक जनादेश मिलेगा। कांग्रेस कार्य समिति ने यह भी कहा कि कांग्रेस आगे की लड़ाई के लिए पूरी तरह से तैयार है। जनता बदलाव चाहती है। हम कानून-व्यवस्था, स्वतंत्रता, सामाजिक एवं आर्थिक न्याय और समता की उनकी अपेक्षाओं को पूरा करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को पार्टी नेताओं से अनुशासन एवं एकजुटता का आह्वान किया। उन्होंने नेताओं से कहा कि वे अपने व्यक्तिगत मतभेदों को दूर रखकर कांग्रेस की सफलता को प्राथमिकता दें और ऐसा कुछ नहीं करें, जिससे पार्टी को नुकसान हो।

खुद अनुशासन में रहेंगे, तभी लोग हमारा अनुकरण करेंगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी नेताओं का आह्वान किया कि यह ध्यान रखें कि हम अहं या अपनी वाहवाही के लिए ऐसा कुछ न करें, जिससे पार्टी का नुकसान हो जाए। अनुशासन के बगैर कोई नेता नहीं बनता। हम खुद अनुशासन में रहेंगे, तभी लोग हमारा अनुकरण करेंगे, हमारी बात मानेंगे। उन्होंने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के हैदराबाद में ही 1953 में दिए उस वक्तव्य का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने अनुशासन की भावना पर जोर दिया था। खड़गे ने कहा कि कर्नाटक में हम एकजुट रहे, जिसका नतीजा सबने देखा। उन्होंने पार्टी नेताओं से कहा कि केंद्र की 'तानाशाह सरकार को सत्ता से हटाने के लिए पूरी ताकत झोंकनी होगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार जनता के मूलभूत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए, नये-नये मसले लाकर ध्यान भटकाने की राजनीति करती है।

केंद्र सरकार ने बीमारी की गंभीरता को देखते हुए भेजी टीम

केरल में फिर 1 संक्रमित मिला लगातार बढ़ रहे निपाह के केस

● नई दिल्ली/ब्यूरो

केरल सरकार के मुताबिक संक्रमित लोगों के संपर्क में आने वाले संदिग्ध लोगों की संख्या बढ़कर 1,192 हो गई है। इसके अतिरिक्त, अभी तक निषिद्ध क्षेत्रों में 22,208 घरों में जांच की गई है। अब तक 42 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। केरल में निपाह वायरस के संक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा है। रविवार को भी उक केस मिला है। केन्द्र सरकार भी इसे गंभीरता से ले रही है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने इस पर ताजा अपडेट देते हुए कहा कि केरल में निपाह के कई मामले पाए गए हैं और इसकी जांच के लिए केंद्र ने फौरन एक टीम भेजी है।

जैव सुरक्षा स्तर 3 (बीएसएल-3) भी वहां भेजा गया है, और एक बस के अंदर बायो सेफ्टी लेवल-3 का इंतजाम किया गया है। केरल में एक विशेषज्ञ टीम भी मौजूद है, जो किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। फिलहाल राज्य में निपाह संक्रमण के छह मामलों की पुष्टि हो चुकी है। छह में से दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है। राज्य में निपाह वायरस से कुल संक्रमितों की संख्या चार है।

निपाह के नये मामले बढ़े

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने रविवार को बताया कि निपाह वायरस का कोई भी नया पॉजिटिव केस सामने नहीं आया है। वहीं जांच के लिए भेजे गये 42 नमूनों के रिजल्ट नेगेटिव आए हैं। इनमें से हाई रिस्क कैटेगरी में शामिल 23 लोगों के सैंपल भी शामिल हैं। वहीं 39 अन्य मरीजों के सैंपल का रिजल्ट आना बाकी है। उन्होंने कहा कि वायरस का इंक्यूबेशन पीरियड 21 दिनों का है। अंतिम पॉजिटिव केस से 42 दिनों तक के इंक्यूबेशन पीरियड में सावधानी बरतने की जरूरत पड़ती है।

रोकथाम के प्रयास

केरल सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक संक्रमित लोगों के संपर्क में आने वाले संदिग्ध लोगों की संख्या बढ़कर 1,192 हो गई है। इसके अतिरिक्त, अभी तक निषिद्ध क्षेत्रों में 22,208 घरों में जांच की गई है। केरल के कोझिकोड जिले में निपाह वायरस के प्रकोप के मद्देनजर राज्य सरकार ने अपनी ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन प्रणाली के तहत ओपीडी सेवा भी शुरू की है। कोझिकोड जिले की कलेक्टर गीता ने आदेश जारी करते हुए जिले के तमाम शैक्षणिक संस्थानों को 18 से 23 सितंबर तक के लिए बंद कर दिया है।

राम मंदिर की सुरक्षा का खाका तैयार
जल-थल और नभ से होगी सुरक्षा

अयोध्या, (ब्यूरो)। आतंकी हमले का दंश झेल चुका राम जन्मभूमि परिसर अभेद्य सुरक्षा कवच में जकड़ा जाएगा। सीआईएसएफ समेत तमाम शीर्ष सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ कई दौर की मंत्रणा के बाद सुरक्षा का फुलप्रूफ खाका तैयार कर इसके क्रियान्वयन की कवायद शुरू हो गई है।

ड्रोन, मोटरबोट और लगेंगे अत्याधुनिक उपकरण: सीआरपीएफ, पीएसी और सिविल पुलिस के त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे और केंद्रीय व स्थानीय खुफिया एजेंसियों की निगरानी में जकड़े इस परिसर और राम मंदिर की जल, थल और नभ से निगरानी होगी। हवाई निगरानी और सुरक्षा के लिए ड्रोन, जलीय निगरानी के लिए सरयू में मोटरबोट व जमीनी सुरक्षा व निगरानी के लिए विशेष सुरक्षा बल के साथ बुलेटप्रूफ वाहन और उच्च तकनीकि के अत्याधुनिक उपकरण और संसाधन लगाए जाएंगे।

समेकित सुरक्षा योजना 2023 को मिली हरी झंडी

शासन ने श्रीराम मंदिर और संबंधित प्रतिष्ठानों के लिए समेकित सुरक्षा योजना 2023 को हरी झंडी दे दी है। दो दिन पूर्व एडीजी सुरक्षा की अध्यक्षता में संपन्न रामजन्मभूमि की स्थाई सुरक्षा समन्वय समिति की बैठक में सुरक्षा योजना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। योजना को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारियों ने स्थलीय जायजा भी लिया। सुरक्षा से जुड़ा मामला होने के जिम्मेदार आधिकारिक तौर पर ज्यादा कुछ बताने से परहेज कर रहे हैं, लेकिन समेकित सुरक्षा योजना 2023 को आवश्यकता व परिस्थिति के मुताबिक विभिन्न चरणों में संपादित किया जाना है।

भारतीय युवा कांग्रेस ने मनाया राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस

नई दिल्ली, (एजेंसी) । भारतीय युवा कांग्रेस ने रविवार को देश भर में प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिवस को राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप में मनाया, इस अवसर पर दिल्ली में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय कार्यालय पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बेरोजगारी के विरुद्ध सांकेतिक प्रदर्शन का आयोजन किया। इस अवसर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि पीएम मोदी की सरकार जब से आई, देश के युवाओं के लिए बेरोजगारी की सौगात लाई है। इसलिए आज देश के बेरोजगार युवा उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप में माना रही है।

आने वाली है 'प्रलय', केंद्र सरकार ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली, (एजेंसी) । पाकिस्तान और चीन के साथ चल रहे तनाव के बीच मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने अपनी मारक क्षमता को बड़ा बढ़ावा देते हुए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनाती के लिए भारतीय सेना के लिए 'प्रलय' बैलिस्टिक मिसाइलों की एक रेजिमेंट की खरीद को मंजूरी दे दी है। इसकी सीमा क्रमशः चीन और पाकिस्तान से लगती है। यानी कि अब अगर चीन और पाकिस्तान ने भारत की ओर आंख उठाकर देखा तो उन्हें मुंह की खाना निश्चित है।

'प्रलय' बैलिस्टिक मिसाइलों की एक रेजिमेंट की खरीद को मंजूरी दे दी

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के साथ लंबे समय से रिश्ते अच्छे नहीं हैं, जबकि चीन के साथ पिछले तीन साल से बॉर्डर पर विवाद चल रहा है। रक्षा अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि ह भारतीय सेना के लिए एक बड़ा फैसला है, क्योंकि प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलों की एक रेजिमेंट हासिल करने के प्रस्ताव को हाल ही में रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में मंजूरी दे दी गई थी।

तेलंगाना से 100 दिन में बीआरएस हटेगी

हैदराबाद, (एजेंसी) । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रंगारेड्डी में रविवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- 100 दिन अंदर बीआरएस सरकार यहां से हट जाएगी। इसे कोई नहीं रोक सकता। चाहे बीजेपी चाहे, चाहे ओवैसी की पार्टी चाहे। इसे बदल नहीं सकती।

राहुल ने तेलंगाना की जनता को छह गारंटियां दीं। उन्होंने कहा कि राज्य में हमारी सरकार बनने पर महालक्ष्मी योजना के तहत हर महिला को 2500 रुपए हर महीने दिए जाएंगे। गैस सिलेंडर 500 रुपए में मिलेगा। साथ ही महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त सफर की व्यवस्था की जाएगी। राज्य के हर नागरिक को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे।

कांग्रेस ने तेलंगाना की जनता को राज्य में सरकार आने पर कौन सी 6 गारंटियां देने का वादा किया। बीजेपी, बीआरएस और एमआईएमआईएम अलग नहीं, एक पार्टी है। राजनीति में बहुत जरूरी होता है कि हमें मालूम हो हम किससे लड़ रहे हैं।

अनंतनाग में सर्च ऑपरेशन में जवान के पैर में गोली लगी

श्रीनगर, (एजेंसी) । कश्मीर के अनंतनाग में रविवार 17 सितंबर को पांचवें दिन एनकाउंटर जारी है। सेना को गडूल कोकेरनाग के जंगलों में दो और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है।

इलाके में सर्च ऑपरेशन के दौरान सीआरपीएफ जवान के पैर में गलती से गोली लग गई। हालांकि इसकी अभी जानकारी नहीं है कि गोली किसी साथी की राइफल से लगी है या खुद की। जवान की पहचान 164 बीएन सीआरपीएफ के एचसी मनोज कुमार के रूप में हुई है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया है। सूत्रों ने मुताबिक, जवान रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) का हिस्सा था। वहीं, जवानों की एक टुकड़ी ने शनिवार को मारे गए एक आतंकी का जला हुआ शव बरामद कर लिया है। सेना ने एडवांस्ड ड्रोन हेरॉन मार्क-2 का इस्तेमाल किया। कोकेरनाग में सेना ने 16 सितंबर को पहली बार किसी आतंकी ऑपरेशन में अपने सबसे एडवांस्ड ड्रोन हेरॉन मार्क-2 को अटैक के लिए उतारा था। ड्रोन ने आतंकी को ढूंढ़कर उस पर ग्रेनेड फेंका, जिससे वह ढेर हो गया। साथ ही सुरक्षाबलों ने कोकेरनाग में आतंकियों का ठिकाना भी ध्वस्त कर दिया। सेना ने एडवांस्ड ड्रोन हेरॉन मार्क-2 से आतंकियों के ठिकाने को ध्वस्त किया। मुठभेड़ के दौरान तेज बारिश में भी हेरॉन काम करता रहा। इसके अलावा क्रॉड कॉप्टर ड्रोन ने आतंकियों को खदेड़ने में मदद की। ये ड्रोन पांच तरफ से गोली और ग्रेनेड एक साथ बरसा सकता है। इसे 15 किलोमीटर दूर से ऑपरेट कर सकते हैं।

पांचवें दिन एनकाउंटर जारी एक आतंकी का शव बरामद

पाक के 29वें सीजे के रूप में न्यायमूर्ति इसा ने ली शपथ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के ऐवान-ए-सद्र में एक समारोह में राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने रविवार को न्यायमूर्ति काजी फैज इसा को देश के 29वें मुख्य न्यायाधीश की शपथ दिलाई। 'डॉन' समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह में कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर, सेना प्रमुख असीम मुनीर,पूर्व सीजेपी इफ्तिखार चौधरी और तसद्दुक जिलानी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि समारोह की शुरुआत पवित्र कुरान के पाठ से हुई और नियुक्ति की अधिसूचना पढ़ी गई।

रेयर केस: 26 उंगलियों वाली बच्ची ने लिया जन्म

परिवार ने माना देवी का अवतार, डॉक्टर रह गए हैरान

भरतपुर, (एजेंसी) । राजस्थान के डीग जिले के कामा कस्बे में एक ऐसी बच्ची ने जन्म लिया है जिसके 26 उंगलियां हैं। 7-7 उंगलियां दोनों हाथों में और 6-6 उंगलियां दोनों पैरों में हैं। परिजन इसे धौलागढ़ देवी का अवतार मान रहे हैं और खुशी मना रहे हैं।

26 उंगलियों के साथ जन्म लेने वाली इस बच्ची की चर्चा पूरे इलाके में हो रही है, क्योंकि ऐसा केस पहली बार लोगों को देखने को मिल रहा है। वहीं कामा अस्पताल के डॉक्टर बीएस सोनी ने बताया कि सरजू देवी नामक महिला की डिलीवरी हुई है जिसने 26 उंगलियों वाली एक बच्ची को जन्म दिया है। ऐसा बहुत रेयर मामला होता है। 26 उंगली होने से किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं है लेकिन यह सब जेनेटिक विसंगति के चलते हो जाता है। बच्ची बिलकुल स्वस्थ्य है। सरजू देवी की यह दूसरी पुत्री है। जब सरजू देवी ने डिलीवरी के दौरान बच्ची को जन्म दिया तो चिकित्सक भी हैरान पड़ गए कि जन्म लेने वाली बच्ची के हाथ और पैरों में 26 उंगलियां हैं।

मुक्ति संग्राम के शहीदों को शाह ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को हैदराबाद के मुक्ति संग्राम के दौरान शहादत देने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी। मुक्ति दिवस समारोह के हिस्से के रूप में सिकंदराबाद के परेड मैदान में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने से पहले श्री शाह ने इस अवसर पर हैदराबाद की पहली रियासत के लोगों को बधाई देते हुए 'एक्स' पर संदेश पोस्ट किया।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद के सभी लोगों को हैदराबाद मुक्ति दिवस की शुभकामनाएं। यह दिन निज़ाम के दुष्ट शासन और उत्पीड़न से आजादी के लिए हैदराबाद राज्य के लोगों की अटूट देशभक्ति और निरंतर संघर्ष का प्रमाण है।

अत्यधिक सावधानी बरतें: कनाडा में रहने वाले भारतीयों को विदेश मंत्रालय की सलाह

नई दिल्ली। कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों और राजनीतिक रूप से समर्थित घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा को देखते हुए भारत ने बुधवार को अपने नागरिकों और वहां की यात्रा पर विचार कर रहे अपने नागरिकों को अत्यधिक सावधानी बरतने का परामर्श जारी किया है। जून में खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों में गिरावट के बीच विदेश मंत्रालय (एमईए) की तरफ से यह परामर्श आया है। भारत ने मंगलवार को आरोपों को ÷बेतुका÷ और ÷प्रेरित÷ कहकर खारिज कर दिया और इस मामले में कनाडा द्वारा एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित करने के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया था। परामर्श में विदेश मंत्रालय ने कनाडा में भारतीय छात्रों से अत्यधिक सावधानी बरतने और सतर्क रहने को कहा। यह भी पता चला है कि भारत इस मुद्दे पर पश्चिम में अपने कई रणनीतिक साझेदारों के साथ संपर्क में है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ÷कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों और राजनीतिक रूप से समर्थित घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा को देखते हुए, वहां मौजूद सभी भारतीय नागरिकों और यात्रा पर जाने का विचार करने वालों से अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया जाता है। इसमें कहा गया है, हाल ही में, धमकियों के जरिये विशेष रूप से भारतीय राजनयिकों और भारतीय समुदाय के उन वर्गों को निशाना बनाया गया है जो भारत विरोधी एजेंडे का विरोध करते हैं। इसलिए भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे कनाडा के उन क्षेत्रों और संभावित स्थानों की यात्रा करने से बचें जहां ऐसी घटनाएं देखी गई हैं।÷ उत्तरी अमेरिकी देश में खालिस्तानी समर्थक तत्वों की बढ़ती गतिविधियों के मद्देनजर पिछले कुछ महीनों से भारत-कनाडा संबंधों में तनाव दिखा है। भारत का मानना है कि ट्रूडो सरकार उसकी वास्तविक चिंताओं का समाधान नहीं कर रही है। वहीं चंडीगढ़ में अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रखबीर सिंह ने खालिस्तानी नेता की हत्या के संबंध में कनाडा के आरोपों पर बुधवार को केंद्र सरकार से अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग करते हुए कहा कि ये आरोप सिखों को ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 के दंगों की याद दिलाते हैं। एक वीडियो संदेश में, सिखों की सर्वोच्च अस्थायी सीट अकाल तख्त के जत्थेदार ने कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को सनसनीखेज समाचार हा। सिंह ने कहा, इसने दुनिया भर में रहने वाले सिखों को झकझोर कर रख दिया है और उन्हें ऑपरेशन ब्लू स्टार, 1984 के सिख नरसंहार (सिख विरोधी दंगे) और पंजाब में सिख युवाओं की हत्या की याद दिला दी है। इसने पुराने घावों को फिर से हरा कर दिया है। जत्थेदार ने कहा, अगर निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियां शामिल थीं तो इससे बुरी बात क्या हो सकती है। नयी दिल्ली में कनाडाई उच्चायोग में रक्षा अताशे कर्नल टॉड ब्रेथवेट ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कनाडा के उप सेना प्रमुख मेजर जनरल पीटर स्कॉट एक सैन्य सम्मेलन में भाग लेने के लिए अगले सप्ताह भारत आने वाले हैं। जब दोनों देशों के बीच राजनयिक स्तर पर बढ़े तनाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''हम अपना सैन्य सहयोग जारी रखेंगे। इसका (राजनयिक गतिरोध) असर (रक्षा संबंधों पर) नहीं पड़ेगा। हमारे उप सेनाध्यक्ष सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आएंगे।'' ट्रूडो ने कनाडाई संसद के निचले सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में सोमवार को कहा था कि जून में निज्जर की हत्या और भारत सरकार के एजेंट के बीच ''संभावित संबंध के पुख्ता आरोपों'' की कनाडा की सुरक्षा एजेंसियां पूरी सक्रियता से जांच कर रही हैं। कनाडाई नागरिक निज्जर की दो अज्ञात बंदूकधारियों ने गत 18 जून को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी थी। दिल्ली में एक विचारक संस्था (थिंक टैंक) के कार्यक्रम में, अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने भारत-कनाडा राजनयिक विवाद पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, इस तरह का कोई भी आरोप परेशान करने वाला होना चाहिए÷। उन्होंने कहा, ÷यह एक सक्रिय आपराधिक जांच है। मुझे उम्मीद है कि हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए, और वे सभी उस जानकारी के लिए जगह दे सकते हैं और किसी से भी पहले जांच कर सकते हैं, किसी भी निर्णय पर पहुंच सकते हैं।

विधायक राजेश नागर ने विकास कार्यों को लेकर निगमायुक्त से की बैठक

निगमायुक्त ए मोना श्रीनिवास से क्षेत्र के संयुक्त निरीक्षण की भी बात कही

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक शर्मा

फरीदाबाद। तिगांव के विधायक राजेश नागर ने आज निगमायुक्त ए मोना श्रीनिवास के साथ उनके कार्यालय पर बैठक की। नागर ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में टेंडर हो रखे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करवाएं और अन्य कार्यों के टेंडर करवाएं जिससे कि सरकार का सुशासन जनता तक निर्बाध गति से पहुंच सके। विधायक राजेश नागर ने कहा कि उनके क्षेत्र की पल्ला सेहतपुर में अनेक कॉलोनियों में पानी, सडक़, नाली, खडंजे की समस्याएं हैं। यहां चेतन मार्केट रोड से प्रतिदिन हजारों लोग गुजरते हैं लेकिन इसकी खस्ता हालत को देखते हुए इसे जल्द बनाया जाए। नागर ने इन कॉलोनियों में सीवर की व्यवस्था भी जल्द से जल्द किए जाने की बात कही। नागर ने आयुक्त से कहा कि हाल ही में नगर निगम में शामिल हुए उनके क्षेत्र के अनेक गांवों में सामुदायिक भवनों की जरूरत है। जिन्हें तत्काल प्रभाव से बनाए जाने की प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके साथ ही इन गांवों में सफाई की व्यवस्था को सुचारू गति दी जाए साथ ही पानी की निकासी और जोहड़ों की सफाई का भी विशेष ध्यान दिया जाए। विधायक नागर ने बताया कि इन गांवों पर अतिरिक्त ध्यान दिए जाने की जरूरत है क्योंकि निगम में आने से पहले यह पंचायतों में शामिल थे। इनकी समस्त व्यवस्था पंचायत करती थी। जहां सरपंच तक उनकी सरल पहुंच थी लेकिन सरकार की मंशा के अनुसार इन गांवों को शहरी घोषित किया गया है। इसलिए नगर निगम की जिम्मेदारी है कि अब हम उन्हें शहरी सुविधाएं भी दें। विधायक राजेश नागर ने कहा कि आयुक्त हमारे क्षेत्र में चल रहे कार्यों, समस्याओं आदि के लिए नियमित दौरा करें। जिससे कि उन्हें वस्तुस्थिति के बारे में पता चल सके। जिस पर आयुक्त ने नियमित दौरे की बात कही। उन्होंने कहा कि हम समस्त कार्यों की नियमित समीक्षा के लिए भी तैयार हैं। विधायक राजेश नागर ने बताया कि आज की बैठक बहुत अच्छी रही है। हम हर व्यक्ति तक विकास का सुख पहुंचाना चाहते हैं जिसकी बड़ी जिम्मेदारी नगर निगम पर है। इस मामले में निगम आयुक्त से हमें अच्छे नतीजों की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा ने किया गणेश पूजन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के सैक्टर - 12 फरीदाबाद स्थित कार्यालय पर भगवान गणेश चतुर्दशी के उपलक्ष्य मे भगवान गणेश जी प्रतिमा पर पुष्प माल्यार्पण कर विधिवत पूजन कर भगवान गणेश को मोदक लड्डू व दूर्वा का भोग लगाया पण्डित सुरेन्द्र शर्मा बबली राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा सनातन धर्म वैदिक परम्परा मे भगवान गणेश जी पूजा प्रथम मानी गई है किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ करने से पहले गणेश वन्दना की जाती ताकि कार्य निर्विघ्न सम्पूर्ण हो भगवान महादेव व पार्वती के पुत्र गणपति महाराज से सबके कल्याण की प्रार्थना की गई इस अवसर पर पं राजीव पाराशर पं कैलाश पाराशर पं हरीश पाराशर एडवोकेट पं कृष्ण पाराशर एडवोकेट पं करण पाराशर इंजीनियर पं राजेन्द्र मिश्र मुकेश मनोज योगेश बोहरा चरणी परदीप रोहित श्रवण संजय योगेश नितेश रामजीलाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल पहुँचे साहूपुरा गाँव के सिद्ध कुटी बिंदास बाबा मंदिर।

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। फ़रीदाबाद के साहुपुरा गांव के प्रसिद्ध मंदिर सिद्ध कुटी बिंदास बाबा मंदिर में आयोजित भंडारे के कार्यक्रम में पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने शिरकत की। पूर्व मंत्री ने मंदिर में पहुँचकर मंदिर के महंत शान्ति दास महाराज से आशीर्वाद लिया और सभी क्षेत्रवासियो के लिए मंगल कामना की व उसके बाद प्रसाद भी ग्रहण किया। इस अवसर पर पहुँचे पूर्व मंत्री विपुल गोयल ने कहा की साहूपुरा गाँव मेरा अपना गाँव है और गाँव के छोटे बच्चे से लेकर बड़े तक को ज़ब भी विपुल गोयल की ज़रूरत पड़े तो विपुल गोयल साहूपुरा गाँव- बस्ती के लिए हमेशा हाज़िर है जिसपर गांव से सभी लोगों ने पूर्व मंत्री का तालियां बजाकर स्वागत किया और कही बात का समर्थन दिया। इस मोके पर विपुल गोयल ने गाँव साहूपुरा से दो बच्चो का अग्निवीर भर्ती में सिलेक्शन होने पर बधाई दी व फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। इससे पहले गांव की सरदारी ने पूर्व मंत्री विपुल गोयल का गांव पहुँचने पर फूल माला और पगड़ी बाँधने के अलावा बुक्के देकर भी स्वागत किया व साहुपुरा गाँव के युवाओं ने पूर्व मंत्री के ऊपर फूलो की वर्षा कर अपनी खुशी जाहिर की।

भरतपुर में सम्भाग मुख्यालय पर नरककुण्ड बनी कुम्हेर गेट थोक सब्जी मंडी

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

भरतपुर। इस हाल को देखिए। ये बो जगह है जहां पर बिकती है घरो में हर रोज सुवह शाम बनने बाली हरी हरी ताजा सब्जियां। बरसाती पानी से नरककुण्ड मे तब्दील हुई इस सब्जी मंडी में विचरण करते आवारा पशुओं व भीषण गंदगी के बीच बिक रही ये सब्जियां हर इंसान के स्वास्थ्य के लिए कितनी है घातक इसका आप स्वम् अंदाज लगा सकते है। भरतपुर सम्भाग मुख्यालय को करोडो की बजट योजनाओं से हाईटेक शहर बनाने का दाबा करने बाले जनप्रतिनिधियों के मुह पर करारे तमाचे की तरह नजर आने बाली इस सब्जीमंडी की हालत देख कर कल्पनाओ कर हाईटेक भरतपुर का लगाया जा सकता है अंदाज। जिला प्रशासन से लेकर मंडी समिति तक किसी भी जुम्मेदार का नही है इस नरककुण्ड की तरफ ध्यान। सब्जी खरीदने व बेचने आए लोगों मे डेगूं मलेरिया व स्कीन डिजीज का खतरा बना रहता है।

20 प्रतिशत सीट बढ़ाने में कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने निभाई अहम भूमिका

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। 20 प्रतिशत सीट बढ़ाने में कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने निभाई अहम भूमिका युवा आगाज संगठन के अध्यक्ष जसवंत पवार और छात्रों की कराई डायरेक्टर हायर एजुकेशन राजीव रतन और एडिशनल चीफ सेक्रेटरी आनंद मोहन शरण के साथ मीटिंग। जसवंत पवार ने बताया कि 20प्रतिशत सीट बढ़ाने को लेकर युवा आगाज संगठन पिछले 25 दिनों से संघर्ष कर रहा था और उसी को लेकर आज पंचकूला के शिक्षा सदन में डायरेक्टर हायर एजुकेशन राजीव रतन जी के साथ बहुत सकारात्मक मीटिंग हुई और उन्होंने छात्रों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और कहा कि आपकी सीट बढ़ाने की मांग को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

हरियाणा में लगातार बढ़ रहा है आम आदमी पार्टी का कुनबा: डा. अशोक तंवर

कैम्पनिंग कमेटी के चेयमैन ने किया फरीदाबाद कार्यालय का उद्घाटन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। आम आदमी पार्टी कैम्पनिंग कमेटी के चेयरमैन एवं पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर ने आज फरीदाबाद के सेक्टर-11 में पार्टी के जिला कार्यालय का विधिवत रूप से रिबन काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष पंडित राजेंद्र शर्मा, आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष हरेंद्र भाटी, प्रदेश सह सचिव राकेश भड़ाना, ग्रामीण जिलाध्यक्ष दिनेश मलिक, पलवल जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर सहित अनेकों आप कार्यकर्ताओं ने उनका फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर पत्रकारों से रूबरू होते हुए डा. तंवर ने कहा कि हरियाणा में आम आदमी पार्टी का कुनबा लगातार बढ़ रहा है, आम आदमी पार्टी जनता की समस्याओं की आवाज सडक़ से लेकर संसद तक उठाने का काम कर रही है। उन्होंने भाजपा-जजपा गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सरकार लोगों को बुनियादी सुविधाएं देने में पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है, इस सरकार ने लोगों को भ्रष्टाचार व महंगाई की सौगात दी है, इस सरकार में अमीर और अमीर हो रहा है, जबकि गरीब और गरीब हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गरीब, पिछले व दलितों के हकों की लड़ाई लड़ रहे है और जो काम उन्होंने दिल्ली और फिर पंजाब में करके दिखाए है, उसके बाद जनता अब हरियाणा में भी आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि आने वाले नगर निगम चुनावों को लेकर पार्टी पूरी तरह से तैयार है और मेहनती, कर्मठ व शिक्षित उम्मीदवारों को चुनावी समर में उतारकर जनता की सेवा करने का अवसर प्रदान करेगी। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष पंडित राजेंद्र शर्मा व जिलाध्यक्ष हरेंद्र भाटी ने अशोक तंवर को विश्वास दिलाया कि फरीदाबाद में आम आदमी पार्टी का संगठन निरंतर मजबूती की ओर अग्रसर हो रहा है और विभिन्न पार्टियों के लोग इस पार्टी में आने के लिए उत्साहित है। इस अवसर पर खेमी ठाकुर, मुस्तिकीन, पूर्व पार्षद प्रवेश मेहता, संतोष यादव, विनोद भाटी, हितेश पालटा, जीत सिंह, चौधरी चंद्रपाल, मेहरचंद हरसाना, सतीश चंदीला, नीरज, सतवीर, अजय पांचाल, डाक्टर तुलाराम, धर्मेन्द्र ड्क्षसह, संजय सिंह, मामचंद पवार सहित सैकड़ों आप कार्यकर्ता मौजूद थे।

डोमिनेशन अभियान के दौरान पुलिस ने चेक किए 4342 वाहन, 125 के काटे चालान, 18 इंपाउंड, 10 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। पुलिस महानिदेशक हरियाणा के निर्देश एवं पुलिस कमिश्नर राकेश कुमार आर्य के आदेशानुसार पुलिस कमिश्नरेट फरीदाबाद द्वारा 10 बजे रात्री से 4 बजे प्रातः नाईट डोमिनेशन अभियान चलाया गया। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस कमिश्नर द्वारा नाइट डोमिनेशन के दौरान रात के समय चलने वाले सभी वाहनों की चेकिंग करने तथा किसी भी संदिग्ध और अपराधी किस्म के व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे जिसके तहत कार्रवाई करते हुए सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों सभी क्राईम ब्रांच एंव सभी थाना प्रबन्धक, सभी चौकी प्रभारियों ने नाका लगाकर वाहनों को व संदिग्ध व्यक्तियों को अपने-अपने एरिया में चेक किया और अपने-2 क्षेत्रो में पडने वाले बस अडडा, रेलवे स्टेशन व सार्वजनिक स्थानों सहित 231 स्थानों को चेक किया गया। 207 लोगों के पर्चा अजनबी काटे गए व 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। फरीदाबाद पुलिस द्वारा नाईट डोमिनेशन के दौरान कुल 4342 छोटे-बडे वाहनो को चैक किया गया। जिसमें 1457 टू व्हीलर, 1011 चौपहिया व 1196 लाइट व्हीकल और 678 हैवी व्हीकल चेक किए गये। चेकिंग के दौरान मोटर व्हीकल एक्ट व अन्य कानून के तहत 153 हलके व भारी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। और 125 वाहन चालको के चालान किए गए, 18 वाहनों को इंपाउंड तथा 10 के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

शरद फाउंडेशन द्वारा बच्चों को हमारी सभ्यता, इतिहास को जानें और 'खुद को पहचाने' कार्यक्रम के तहत दिल्ली स्थित नेशनल म्यूजियम का स्टडी टूर कराया

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक शर्मा

फ़रीदाबाद। शरद फाउंडेशन द्वारा बच्चों के लिए संचालित कार्यक्रम ÷ हमारी सभ्यता, इतिहास को जानें और खुद को पहचाने ÷ कार्यक्रम के तहत बच्चों को नई दिल्ली स्थित ÷ राष्ट्रीय संग्रहालय ले जाया गया।इस दौरान शरद फाउंडेशन के सभी सदस्य टीम एवं शिक्षक उपस्थित रहे। संग्रहालय में बच्चों एवं समस्त टीम ने ने पुरातत्त्व में इस देश की विभिन्न विधाओं , संस्कृतियों को देखा और जाना । संग्रहालय में बच्चों एवं समस्त टीम ने हड़प्पा सभ्यता , सिंधु सभ्यता , कला और अन्य कई विधाओं को देखा और इस सब को देखकर सभी काफ़ी उत्साहित एवं गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। टीम का प्रतिनिधित्व शरद फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ हेमलता शर्मा ने किया। इस अवसर पर संस्था की चेयरपर्सन डॉ हेमलता शर्मा ने बताया कि शरद फाउंडेशन फरीदाबाद के समाजसेवियों को एक और विषय दे रहा है जिस पर काम करके आने वाली पीढ़ी को को शिक्षित और सुदृढ़ किया जा सकता है ,जिससे समाज को हम सही में वह नागरिक दे सकें जो बच्ची-खुची सभ्यता संस्कृति और इतिहास को देख समझ सके और उन्हें सुरक्षित रख सके इस विषय पर काम करने की बहुत आवश्यकता है। ज्ञात रहे शरद फाउंडेशन पिछले 12 वर्षों से शिक्षा , स्वास्थ्य , पर्यावरण संरक्षण , रोज़गार, कौशल प्रशिक्षण , कानूनी सहायता , महिला विकास , स्वच्छता अभियान आदि कई विषयों पर कार्यरत है । इस दौरान सभी बच्चे और टीम काफ़ी उत्साहित थे सभी ने इसके लिए डॉ हेमलता शर्मा का आभार व्यक्त किया।

अपराधियों की गिरफ्तारी ना होने से नाराज सबडिवीजन तिलपत के कर्मचारियों ने धरना देते हुए पुलिस प्रशासन व निगम मैनेजमेंट के खिलाफ लगाए जोरदार नारे

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर्ज यूनियन के बैनरतले लगातार दूसरे दिन भी अपराधियों की गिरफ्तारी ना होने से नाराज सबडिवीजन तिलपत के कर्मचारियों ने धरना देते हुए पुलिस प्रशासन व निगम मैनेजमेंट के खिलाफ लगाए जोरदार नारे । तिलपत दफ्तर पर चल रहे बिजली कर्मचारियों के प्रदर्शन की अध्यक्षता सबडिवीजन के प्रधान वीर सिंह रावत ने की। प्रदर्शन की अगुआई कर रहे ग्रेटर फरीदाबाद यूनिट के प्रधान सुनील चौहान का कहना है कि कर्मचारियों के साथ हुई बर्बरतापूर्ण मारपीट के मामले में जब तक सभी दोषियों को गिरफ्तार नही किया जाता तब तक कर्मचारियों का यह धरना जारी रहेगा और पुलिस महकमा इस भूल में ना रहे कि कर्मचारी दो चार दिन गला फाड़ कर चुप बैठ जायेंगे यदि कर्मचारियों में उग्रता की भावना पैदा हुई तो इसके लिए स्वम बिजली निगम प्रशासन के साथ साथ फरीदाबाद का पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से जिम्मेदार होगा। कर्मचारियों के प्रदर्शन को संबोधित करने पहुँचे फरीदाबाद के सर्कल सचिव विनोद शर्मा ने कहा कि पुलिस का प्रशासन और बिजली निगम के आला अधिकारी इन कर्मचारियों के धैर्य की परीक्षा ना लें अन्यथा बहुत भारी पड़ेगा। अभी तक शांतिपूर्णरूप से चल रहे इस धरने को दूसरा ही दिन हुआ है अगर बिजली कर्मचारियों यह धरना प्रदर्शन लम्बा चला तो इसके लिये फरीदाबाद के सभी दफ्तरों पर भी प्रदर्शन करने का काम एचएसईबी वर्कर्ज यूनियन विरोध के रूप में करेगी। जिन कर्मचारियों के साथ जान से मारने की नीयत से दोषियों ने इस घटना को अंजाम दिया है।

मानव रचना के सेंटर फॉर हेल्थ इनोवेशंस और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से डॉक्टर्स कॉन्क्लेव का आयोजन हुआ

स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीकी प्रौद्योगिकी के साथ बेहतर सुविधाओं पर रखे वक्ताओं ने विचार

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। मानव रचना सेंटर फॉर हेल्थ इनोवेशंस (सीएचआई) ने द इंडियन मेडिकल एसोसिएशन फरीदाबाद के सहयोग से डॉक्टर कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरीन नवाचारों के साथ बदलाव लाने के लिए चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों से विशेषज्ञ एक मंच पर एकजुट हुए। कॉन्क्लेव में चिकित्सा क्षेत्र में तकनीकी प्रगति और सहयोगों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में सीएचआई की निदेशक प्रोफेसर डॉ. मनीषा सिंह ने स्वास्थ्य सेवा नवाचार पर विचार साझा किए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नई तकनीकों को एक मंच पर लाकर स्वास्थ्य क्षेत्र में जरूरी बदलावों के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा उद्योग के लिए रचनात्मक और नवीन समाधानों को बढ़ावा देना है। डॉ. वीणा सिंह ने वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल परिदृश्य पर आधारित तकनीकी प्रगति पर ज्ञानवर्धक जानकारी दी। उन्होंने रोगियों को बेहतर देखभाल और उपचार प्रदान करने के लिए इन प्रगति से हुए प्रभावों के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम के दौरान आईएमए फरीदाबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. दिनेश गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सभी को संबोधित करते हुए उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की बात कही। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. हर्ष ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम स्वास्थ्य देखभाल समुदाय के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में उठाए जाने बेहद जरूरी है। सेंटर फॉर हेल्थ इनोवेशंस (सीएचआई) एक सहयोगी मंच है जो बेहतर स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े समाधान प्रदान करने के लिए इंजीनियरों, डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और उद्यमियों को एक मंच पर लेकर आता है।

आगामी चुनाव में खोरी लकड़पुर गाँव के मतदाताओं मत प्रयोग करने का अवसर दिया जाएगा: एसडीएम बड़खल अमित मान

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। बड़खल विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं उपमण्डल अधिकारी अमित मान ने बताया कि दिनांक 12 सितंबर को क्षेत्र के सभी सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं सुपरवाईजर तथा खोरी गाँव, लकड़पुर के बीएलओ के साथ बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने आगे बताया कि बैठक में खोरी लकड़पुर गाँव जो अवैध जमीन पर बसी हुई थी, जिसे सरकार के निर्देशों की पालना में प्रशासन के द्वारा तोड़ दिया गया है। इस सम्बंधित खोरी लकडपुर गाँव के मतदाता के विषय में गहन विचार-विमर्श किया गया तथा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि खोरी लकड़पुर गांव के मतदाता जो हाउस टू हाउस सर्वे में मौजूद नहीं पाए गए। उन्हें आगामी चुनाव में संबंधित क्षेत्र से मत का प्रयोग करने हेतू एक अवसर दिया जाएगा। इस संबंध में आगामी 21 सितंबर को संबंधित सुपवाईजर/बीएलओ द्वारा खोरी गाँव के प्राथमिक पाठशाला में एक कैम्प का आयोजन किया जाएगा। बड़खल विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं उप मण्डल अधिकारी अमित मान ने खोरी लकडपुर गाँव के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वर्तमान में वे जहाँ पर भी रहते हैं, वहाँ के साक्ष्य अपने साथ लेकर दिनांक 21.09.2023 को प्रातः 10:30 बजे खोरी गाँव के प्राथमिक पाठशाला में लगने वाले कैम्प में उपस्थित हों और अपने मत हेतू अपना आवेदन प्रस्तुत करें, जिससे कि आपके आवेदन पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आपके आवेदन को सम्बन्धित क्षेत्र में पंजीकृत करवाया जा सके, ताकि आप आगामी चुनाव में मत का प्रयोग कर सके।

हरियाणा मास्टर वर्ग एसोसिएशन द्वारा पलवल में एक सेमिनार का आयोजन किया गया

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

पलवल। हरियाणा मास्टर वर्ग एसोसिएशन द्वारा पलवल में एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता पलवल के जिला प्रधान नवल किशोर बघेल ने की इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य के प्रधान अनंत पाल नैन तथा राज्य के सलाहकार भगवान सिंह रवि दत जोशी दलबीर सिंह देशवाल मुख्य वक्ता के रूप में उन्होंने इस सेमिनार में अपनी बातें रखें सबसे पहले मुख्य अतिथि काफूल मालाओं से स्वागत किया गया और उनके साथ आए राज्य कार्यकारिणी के सदस्यों का भी जिला कार्यकारिणी ने स्वागत किया । इसके बाद सभी जिला कार्यकारिणी का भी स्वागत किया गया और कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया कार्यक्रम में मुख्य बात है जिला पलवल के सलाहकार राजेंद्र कुमार जी ने शुरू की के हेड मास्टर के फीडर कैडर के साथ जो अन्याय हो रहा है उसे दुरुस्त करा जाए इसमें प्रधानाचार्यों के पद पर पदोन्नति पूर्व की भांति की जाए इसके बाद पलवल जिले की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट श्रीमती सरला देवी ने कहा की सीनियरिटी लिस्ट बनवाकर जल्दी से जल्दी हाई स्कूलों में हेड मास्टरों के पदों को भरवारा जाए अगली कड़ी में रतन सिंह चौहान जी ने कहा कि एसीपी के जितने भी मामले लंबित है उनका निपटारा कराया जाए इसी कड़ी में बहुत ही हमारे जिले के कैशियर का काम देख रहे श्री अशोक कुमार जी ने अपनी बात रखी की जेबीटी से टीजीटी पर प्रमोशन की कराई जाए जिससे सभी मिडिल स्कूलों में सभी पदों के अध्यापक मिल सकें श्री शिव दत्त ने अपनी बात रखी और उन्होंने कहा की सभी मिडिल स्कूलों में क्लर्क चपरासी तथा स्कूलों एलिमेंट्री स्कूल हेडमास्टर के वर्कलोड को कम करने पर अपनी बात रखें महेंद्र सिंह जी ने कैशलेस कार्ड जारी करने के लिए प्रधान के सामने अपनी समस्या रखी जिला पलवल के ब्लॉक प्रधान धर्मेंद्र शर्मा ने ट्रांसफर ड्राइव को सही तरीके से चलाने के लिए अपनी बात रखें हर प्रसाद ने पीपीपी के कार्य से अध्यापकों को छुटकारा दिलाने की बात रखी राकेश कुमार जी ने बूथ लेवल ऑफिसर से छुटकारा दिलाने की बात रखी राजेश कुमार जी ने भी एल टीसी के ऊपर जोफ डी डिपार्टमेंट ने रोक लगा रखी है उसको भी उसका भी स्थाई समाधान कराया जाए इसके बाद राज्य के प्रधान श्री अनंत पाल जी ने अपना वक्तव्य रखा और एक-एक बात का सही जवाब दिया।

हेल्थ प्लस

खतरनाक हो सकता है नींद का न आना

नींद की समस्या से मोलाटोनिन और कोरटिसोल का संतुलन गड़बड़ा जाता है। यह दोनों हार्मोन कैन्सर कोशिकाओं को प्रभावित करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अपर्याप्त नींद की वजह से मेलाटोनिन हारमोन का उत्पादन बाधित होता है।

अगर इस बात की सूची बनायी जाये कि हमारे जीवन में किन बातों की कमी हैं, तो यह बात यकीन से कही जा सकती है कि उसमें नींद की कमी जरूर शामिल होगी। अपर्याप्त नीद से मानसिक थकान, तनाव, बेचैनी तो होती ही है, आपकी ऊर्जा भी छिन जाती है। साथ ही आपको मधुमेह, मोटापा, हाई ब्लडप्रैशर और कैन्सर तक का खतरा हो जाता है।

हमारे शरीर को हर रोज 7 से 8 घंटे की नींद की जरूरत होती है। स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के अध्ययन से मालूम हुआ कि नींद की समस्या से मेलाटोनिन और कोरटिसोल का संतुलन गड़बड़ा जाता है। ये दोनों हार्मोन कैन्सर कोशिकाओं को प्रभावित करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अपर्याप्त नींद की वजह से मेलाटोनिन हारमोन का उत्पादन दिमाग या ब्रेन उस समय करता है जब आप सो रहे होते हैं। मेलाटोनिन में जबरदस्त एन्टीऑक्सिडेंट गुण होते हैं। जो कोशिकाओं को नुक्सान नहीं पहुंचने देते और इस तरह वह कैन्सर में विकसित नहीं होती।

मेलाटोनिन की कमी की वजह से ओवरियों में एस्ट्रोजिन का उत्पादन भी कम हो जाता है। इससे यह खतरा हो जाता है कि महिला को अधिक एस्ट्रोजिन लेना पड़ता है और उसके इस कारण ब्रैस्ट कैन्सर हो सकता है। कम नींद की वजह से एक और महत्वपूर्ण हारमोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। और वह है कोरटिसोल। इसके दो काम हैं-

इम्मायून सिस्टम की गतिविधि को रेग्यूलेट करना।

उन कोशिकाओं को जारी करना जो प्राकृतिक रूप से कैन्सर के विरूद्ध लड़ती हैं और कैन्सर कोशिकाओं को नष्ट करती हैं। इस तरह देखा जाये तो नींद हमें सिर्फ तरोताजा ही नहीं करती है बल्कि हमारी मांसपेशियों को रिपेयर करती है और शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को मजबूत करती है। नींद की कमी का सीधा संबंध डिप्रेशन से हैं।

दरअसल, कम नींद की बड़ी वजह हमारी खराब जीवनशैली है। हमारे जिस्म को एक निश्चित मात्रा की नींद की आवश्यकता होती है और अगर वह न मिले तो शरीर तकलीफ में रहता है और इसे ही स्लीप डेट या नींद का कर्ज कहते हैं।

महत्वपूर्ण टिप्स

- हमेशा नियमित समय पर सोयें।
- सोने से 4-5 घंटे पहले कैफीन, निकोटीन और शराब न लें। कैफीन और निकोटीन वह स्टिम्युलैट्स हैं जो आपकी नींद की क्षमता में हस्तक्षेप करते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि आप भूखे न सोयें और सोने से पहले बड़ा डिनर न करें।
- अपने बेडरूप में टेलिविजन और कम्प्यूटर न रखें।
- शिकायत करना, अफसोस करना और चिन्ता करना छोड़ें।

महिलाओं को स्ट्रोक से बचाता है व्यायाम

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के विशेषज्ञ फ्रेंकलूव उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार अगर महिलाएं प्रतिदिन 30 मिनट व्यायाम करें तो उन्हें स्ट्रोक होने की संभावना कम होती है भले ही वह व्यायाम आधे घंटे पैदल चलना ही क्यों न हो। विशेषज्ञ फ्रेंक लू के अनुसार व्यायाम से रक्तचाप नियंत्रित रहता है और एच डी एल (हाई डेन्सिटी लियोप्रोटीन) अच्छे कोलेस्ट्रोल का स्तर बढ़ता है यही नहीं, इससे वजन भी नियंत्रित रहता है।

इस शोध में पाया गया कि जिन महिलाओं ने आधे घंटे रोज व्यायाम किया, उनमें व्यायाम न करने वाली महिलाओं की तुलना में स्ट्रोक की संभावना 20 प्रतिशत कम पायी गयी। इससे पूर्व भी बोस्टन में हुए एक अन्य शोध में यह पाया गया था कि जो महिलाएं नियमित व्यायाम जैसे पैदल चलना, जागिंग व तैराकी आदि करती हैं उन्हें हृदय रोग होने की भी संभावना कम होती है। इसके अतिरिक्त मधुमेह, ओस्टि ओपोरोसिस और कई प्रकार के कैंसर से सुरक्षा दिलवाने में व्यायाम काफी फायदेमंद साबित हुआ है।

हृदय रोगों के लिए पैन बाइपास सर्जरी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी एवं बदलती हुई जीवनशैली के कारण व्यस्तता इतनी बढ़ गई है कि लोगों को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने का समय ही नहीं मिलता जिसका परिणाम है दिन पर दिन बढ़ते हृदय संबंधी रोग आज सबसे अधिक मात्रा में जो हृदय रोग पाया जाता है वह है कोरोनरी आर्टरी डिसीज। लुधियाना स्थित सिबिया मेडिकल सेंटर के निदेशक डा. एस. एस. सिबिया के अनुसार अब एक नई तकनीक की शुरूआत की गई है- 'प्राकृतिक बाईपास थैरेपी' जिससे रोगियों का इलाज किया जा रहा है। हमारे हृदय में तीन प्रमुख रक्त धमनियां होती हैं जो कि आगे सूक्ष्म कैपिलरियों को जन्म देती हैं। व यह सब धमनियां एक दूसरे से जुड़ी होती हैं।

यदि धमनियां किसी कारणवश रूक जाएं व अवरूद्ध हो जाएं तो इन चैनलो के माध्यम से हृदय की मांसपेशियों को रक्त पहुंचाया जा सकता है। इसके अंतर्गत इन चैनलों को चौड़ा कर खोल दिया जाता है ताकि हृदय की मांसपेशियों तक रक्त बिना किसी रूकावट के आवाजाही कर सके। इस तकनीक को वैज्ञानिक भाषा में न्यूमैटिकली असिस्टिड नैचुरल बाईपास या पैन बाईपास भी कहा जाता है। इस थैरेपी के कई लाभ हैं जैसे रोगी को अस्पताल में भर्ती नहीं किया जाता, हमारे किसी काम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, दर्द भी न के बराबर होता है व इसका खर्च भी कम पड़ता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते हैं।

डा. सिबिया के अनुसार. इस नई तकनीक में एक मशीन का इस्तेमाल किया जाता है जो वैज्ञानिक तरीके से इन हृदय संबंधी धमनियों पर दबाव बनाती है जिससे हृदय की मांसपेशियों में रक्त प्रवाह को बढ़ावा मिलता है। इसमें एक घंटे से भी कम समय में इन सामानतंर कैपिलरियों में नया संचार किया जाता है जिससे रक्त प्रवाह ठीक से स्थिर हो सके। इस मशीन के द्वारा हृदय में मांसपेशियों को रक्त प्रवाह तब कराया जाता है जब ये मांसपेशियां स्थिर होती हैं।

तरह-तरह के दूध की उपयोगिता

दूध गुणकारी व शक्तिदायक होता है। यह मनुष्यों की दुर्बलता को भी दूर करता है। दूध चाहे पशुओं का हो या वनस्पतियों का सभी रोगनाशक होते हैं। कई रोगों में इसका प्रयोग लाभकारी होता है। कौन-सा दूध, किस काम के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है, आइए इसी से संबंधित कुछ बातें जानें।

- नींद न आने पर बकरी के दूध से हाथ व पैरों पर मालिश करने से नींद शीघ्र आती है।
- घोड़ी का दूध पीने से खांसी मिटती है।
- मां के दूध को संतरे के रस में मिलाकर छोटे बच्चों को पिलाने से बच्चों को होने वाले दस्त रुक जाते हैं।
- मां के दूध में हींग घिसकर कानों में दो बूंद डालने से कान का दर्द मिटता है।
- पपीते का दूध रुई के फाहे में रखकर दांतों के बीच रखने से दांत का दर्द मिटता है।
- जूते की रगड़ से पैरों पर पड़े छालों पर पपीते का दूध लगानने से राहत मिलती है।
- पपीते का दूध लगाने से चर्मरोग मिटते हैं।
- कच्चे फोड़े पर गूलर का दूध लगाने से फोड़ा पक कर जल्दी फूट जाता है।
- खुजली होने पर गाय के दूध में रुई के फाहे को भिगोकर शरीर पर मलने से लाभ होता है।
- भेड़ का दूध पथरी गलने में, मोटापा कम करने में तथा बालों को झड़ने से रोकने में सहायक होता है।
- मुंहासों, कील, झांई आदि को दूर करने के लिए बकरी के दूध का इस्तेमाल करें। पाश्चात्य देशों में महिलाएं चेहरा, गर्दन व हाथों को बकरी के दूध से धोती हैं और दूध से स्नान कर चिरयौवन सौंदर्य प्राप्त करती हैं।
- रक्तयुक्त अतिसार में बकरी का दूध पीने से लाभ होता है। हाथ-पैर की त्वचा पटने पर गूलर का दूध लगाने से पीड़ा कम होकर त्वचा नरम व मुलायम बनती है।
- कमजोर लोगों को भैंस का दूध पीने से शक्ति मिलती है।
- मिर्गी की बीमारी खासकर हिस्टीरिया के दौरे आदि में घोड़ी का दूध पीना लाभकारी होता है।
- फटी एड़ी में अकाव का दूध लगाने से वे शीघ्र मुलायम होती हैं।
- सोयाबीन का दूध डायबिटीज, मलेरिया, वातरोग आदि में लेने से फायदेमंद सिद्ध होता है।

घातक भी हैं दर्दनिवारक दवाएं

दर्द एक ऐसी चीज है जिसका अहसास सभी को होता है। कुछ लोग सिरदर्द से पीड़ित रहते हैं तो कुछ कमर या पीठ दर्द से, कुछ पैरों के दर्द से परेशान रहते हैं, तो कुछ हाथ के दर्द से। इस दर्द से छुटकारे के लिए कोई डॉक्टर के पास जाता है तो कोई सीधे केमिस्ट के पास से दर्दनिवारक दवाएं लेकर खा लेता है। इन दर्द निवारक दवाओं से तात्कालिक रूप से हमें आराम भले ही मिल जाए परंतु दीर्घकाल में इनका असर शरीर के विभिन्न अंगों पर पड़ता है, जिसका कोई इलाज भी नहीं है। इसलिए दर्द निवारक दवाएं तभी लेनी चाहिए जब बहुत आवश्यक हो, लेकिन अपने मन से तो कभी नहीं। पहले डॉक्टर से संपर्क करें। फिर उसके बताए अनुसार गोलियों का सेवन करना लाभप्रद होगा। ज्यादा दर्दनिवारक गोलियों के सेवन से औरतों में माहवारी में परेशानी होती है।भविष्य में ब्लड प्रेशर की तकलीफ हो जाती है। दर्द निवारण के लिए आप प्राकृतिक चिकित्सा की मदद ले सकते है।

न्यू साईंटिस्ट नामक जरनल के अनुसार दर्द निवारक दवाओं के सेवन के कारण एक और मां और बच्चे में आत्मीय संबंध नहीं पनप पाता, वहीं दूसरी ओर पैदा हुआ नवजात शिशु मां का स्तनपान करने से कतराता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस समस्या के लिए पेनकिलर ही अधिक जिम्मेदार हैं।

बहुउपयोगी है 'जीरा'

कई विटामिन की खान जीरा सेहत के लिए बेहद गुणकारी है। इस मसाले का वानस्पतिक नाम क्यूमिनम साइमिनम है। जीरे में ए,बी, और सी विटामिन पाए जाते है। आयरन का भी अच्छा स्त्रोत है जीरा। आयरन से हमारा मेटाबॉलिज्म अच्छी तरह से काम करता है। इससे इम्यून सिस्टम को मजबूती मिलती है। इसके अलावा जीरा डाइजेस्टिव सिस्टम को भी अच्छी तरह से काम करने में मदद करता है।

घरेलू उपयोग

- पुराने बुखार में जीरे के फूलों का चूर्ण थोड़े से गुड़ में मिलाकर सुबह-शाम सेवन करने से लाभ होता है।
- रतौंधी में जीरा, आंवला व कपास के पत्तों को ठण्डे पानी में समान मात्रा में पीसकर सिर पर 21 दिन तक लगाने से फायदा मिलता है।
- बिच्छू के काटने पर जीरे को महीन पीसकर थोड़ा घी व सैंधा नमक मिलाकर बारीक पीस लें। मिश्रण को थोड़ा गर्म कर काटे हुए स्थान पर लगाने से दर्द में राहत मिलती है।
- जीरे के जल से नेत्र धोने से नेत्र ज्योति बढ़ती है।
- मलेरिया में करेले के थोड़े से रस में जीरे का चूर्ण मिलाकर पीने से फायदा होता है।

टाईम पास

मासिक राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो मा मी मू धा फा ढा भे)

कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ द दे दो चा ची)

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 2747

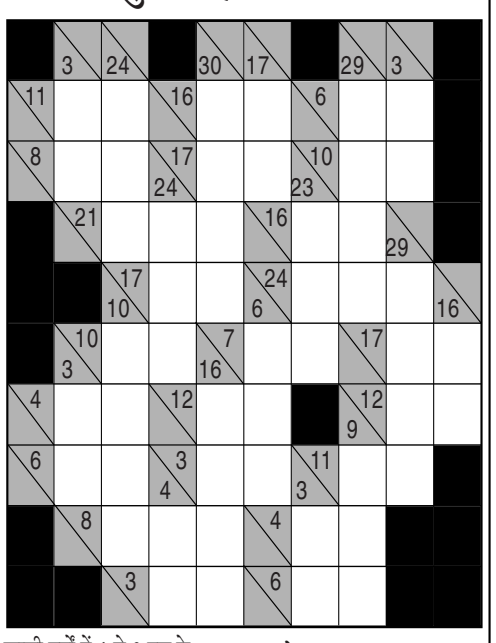

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

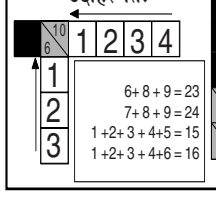

काकुरो - 2746 का हल

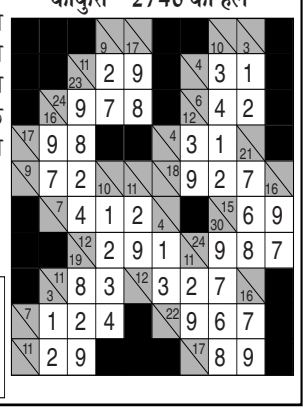

लॉफिंग ज़ोन

एक कर्मचारी अपने मालिक के पास पहुंचा और बोला कि मुझे इस महीने वेतन में दो सौ रुपए कम दिए गए हैं.

'मुझे पता है. लेकिन दरअसल पिछले महीने तुम्हें दो सौ रुपए ज्यादा दे दिए गए थे और तब तुमने कोई शिकायत नहीं की थी.' मालिक ने कहा.

'दरअसल एक बार कोई गलती हो जाए, तो मै उसे माफ कर देता हूं. लेकिन अगर यही आदत बन जाती है, तो मै समझता हूं कि इसकी शिकायत जरूर की जानी चाहिए.' कर्मचारी ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

अदालत में सरकारी वकील ने कहा - मी लॉर्ड, अपराधी पर इल्जाम है कि उसने अपनी पत्नी को चिड़ियाघर के गहरे तालाब मे धक्का दे दिया, जिसकी वजह से पत्नी को मगरमगछ खा गया.

जज ने गरज कर कहा - क्या अपराधी यह बात नहीं जानता था कि चिड़ियाघर में जानवरो को कुछ खिलाना मना है?

☺ ☺ ☺

नाई (पहलवान से) - अगर मैं तुम्हारे सारे बाल काट दूं तो तुम्हें कोई पहचान नहीं पाएगा.

पहलवान - मगर उसके बाद मै जो तुम्हारी हालत करुंगा तो तुम्हें भी कोई पहचान नहीं पाएगा.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2747

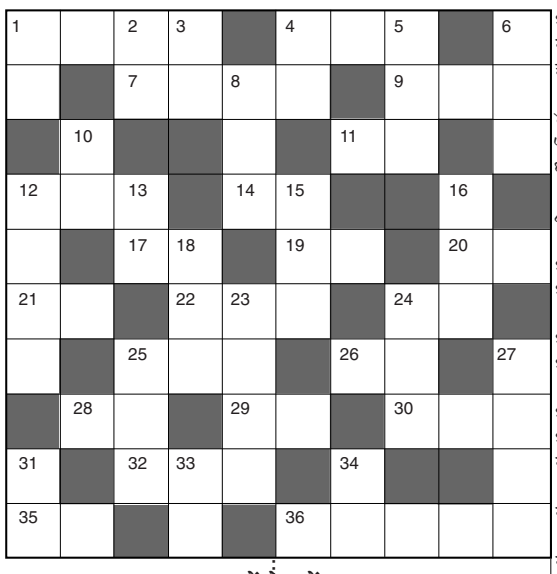

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2746

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रे	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

सूडोकु -2747

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2746 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 2747

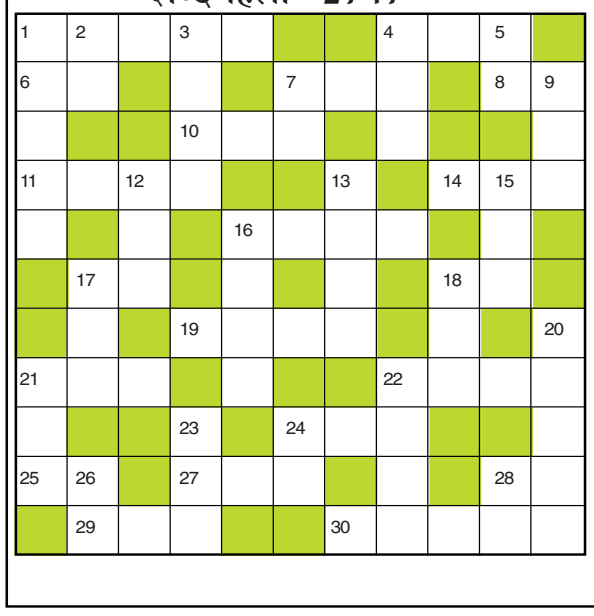

बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -2746 का हल

	रा	ह	ज	नी		फि	स	ल	ना	
अ		क	हा	र		त	न	य		बु
ह	क		न	व		र	म		फ	न
म	म	ता		ता	क	त		चा	त	क
क	र	त	ब		म		त	ल	वा	र
			ल	ह	र	दा	र			
ला	व	ज	मा		बं		स	ह	ल	ज
ज	त	न		म	द	द		म	ग	न
वा	न		क	न		ह	म		न	म
ब		त	म	स		ली	ट	र		त
	भे	ह	रा	ब		ज	र	ब	फ्त	

Delhi hospitals see a surge in dengue cases

doctors suggest doing these steps immediately

Atulya Loktantra

Dengue cases are increasing in Delhi NCR, reports citing doctors from city hospitals have said. A 37-year-old woman died in Ram Manohar Lohia (RML) Hospital on Tuesday taking the death count to 4 in the hospital this season, NDTV reported. 15 dengue cases have been reported at a private hospital in the national capital. As per the MCD report, released on August 7, the total number of dengue cases is 348.

Dangerous dengue strain in circulation in Delhi NCR?

The DENV2, considered to be the most serious variant of dengue, has been found in the samples obtained from Gurgaon and Noida. Dengue has four major strains-- DENV-1, DENV-2, DENV-3, and DENV-4 and currently DENV 2 or the D2 variant is the dominant strain in the country. Until 2012 D1 and D3 were predominantly found in samples. D4, which is said to be the least infectious one, is also spreading fast.

Does previous infection provide immunity in the future??

Usually in several infections, people get immune after the first infection. However, in the case of dengue, the immunity obtained after the infection from a particular dengue variant does not confer immunity against other variants. "Although all four serotypes are antigenically

similar, they are different enough to elicit cross-protection for only a few months after infection by any one of them. Secondary infection with another serotype or multiple infections with different serotypes leads to severe form of dengue," WHO explains.

What are the symptoms??

The classic signs of dengue are a high fever of 40°C/104°F, unbearable headache, pain felt behind the eyes, muscle and joint pains, nausea and vomiting, swollen glands, and rashes. After recovery, people who have had dengue may feel tired for several weeks. The majority of individuals typically experience a full recovery within approximately one week, says Dr. Sachin Nalavade, Senior Consultant Physician, Diabetologist & Intensivist, at Medicover Hospitals, Navi Mumbai.

What a dengue fever feels like??

"Dengue normally presents as high-grade fever, sudden development at times chills and a lot of body aches," says Dr. Rajiv Dang, Medical Director & HOD - Internal Medicine, Max Hospital Gurgaon. "The fever settles to a partial degree through crocin or other drugs and then it relapses again after four to five to six hours. So initial one or two days can be very tough for the patient. There will be accompanying body pains in almost all cases and headaches. Pointers toward this being a pure dengue pathology are pain behind the eyes and a bitter taste of the mouth," he explains. "This is later accompanied by vomiting and loss of appetite unless the patient is of his severe variety whereby second or third day itself a lot of symptoms like cough, shortness of breathlessness, restlessness may start appearing," the expert adds.

When you see the symptoms, get this done immediately?

"Quicker diagnosis is imperative for better management of Dengue. Blood tests are conducted to confirm the presence of Dengue virus. These tests identify the protein NS1, that is produced by the Dengue virus in the body, to confirm the diagnosis," suggests Dr. DR Patel, Director and Senior physician, Patel Hospital, Alwar. " Use paracetamol for pain relief and avoid non-steroidal anti-inflammatory drugs like Ibuprofen and Aspirin," he adds. “If you suspect dengue fever based on symptoms like high fever, headache, and joint pain, seek immediate medical attention. Early diagnosis increases the chances of successful treatment while reducing complications,” Dr. Sachin Nalavade urges.

Precautions to know

Dr. Patel recommends following precautionary measures to avoid getting the infection. “Ensuring personal safety and eradication of mosquitoes are considered two golden steps in preventing dengue. Using window nets, mosquito nets, and repellents is a part of personal protection. Similarly, eradication includes ensuring no stagnant water near the inside like water in coolers, flower pots, bird feeders, etc. One should frequently change the water or keep the lid closed in case water needs to be stored in tanks. Outside the house, stagnant water like fountains, ponds, swimming pools etc. needs to be addressed by frequently changing the water. This will stop mosquito growth since they tend to multiply on stagnant water,” he suggests.

Heart health: Men in stressful jobs who feel underappreciated are at DOUBLE risk of heart disease, finds study

We spend most of our days of a week at work, and most of the hours of a day at work. With so much time being spent working, it is only natural for your work life to affect your life, mind, happiness and health. According to a paper published in the Journal of the American Heart Association, stressed-out male workers who feel under-appreciated could be twice as likely to develop potentially deadly heart disease.

More about this latest research?

A team of Canadian researchers spent nearly two decades studying stress and what’s known as “effort-reward imbalance,” or ERI. Researchers followed 6,465 white-collar workers, men and women, for a total of 18 years — from 2000-2018. The participants did not have cardiovascular disease. 3,118 of the participants were men and 3,347 were women, with an average age of 45.

Understanding ERI and job strain?

According to another article published in Frontiers in Psychology, “in the ERI model, work-related stress is conceptualized as lack of fairness of the reciprocity of efforts expended and reward received at work.” Lead study author Mathilde Lavigne-Robichaud, R.D., M.S., doctoral candidate, Population Health and Optimal Health Practices Research Unit, CHU de Québec-Université Laval Research Center in Quebec, Canada, said in a news release that job strain “refers to work environments where employees face a combination of high job demands and low control over their work.” The Canadian researchers also studied the effects of both stress and ERI on coronary collapse.

Findings of the study?

The study found that men who struggled with one of these issues (stressful work and underappreciation) saw a 49% increase in the risk of heart

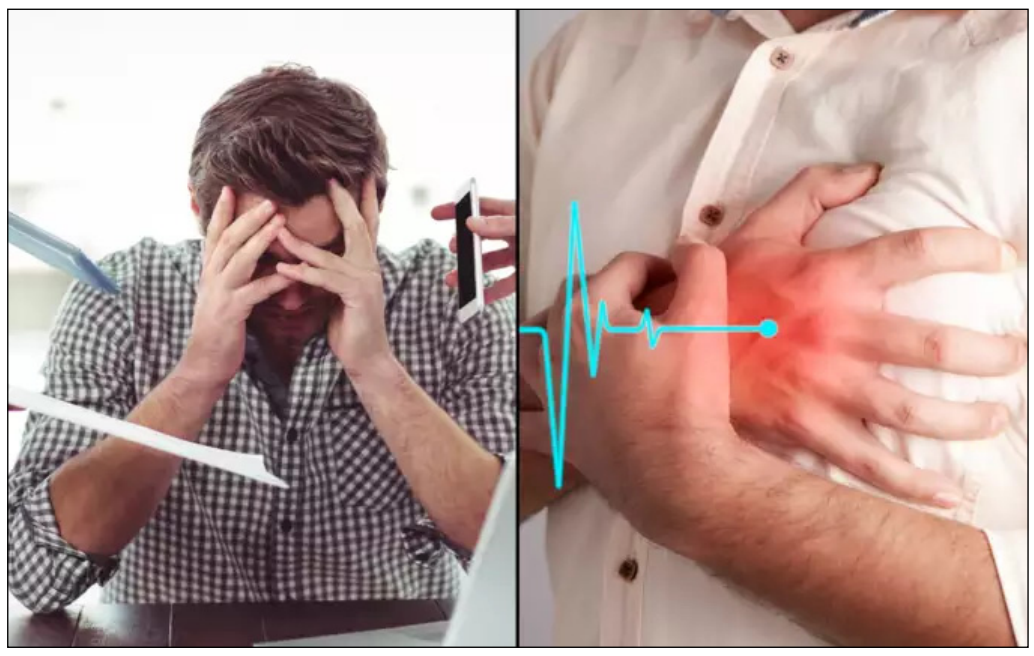

disease, compared to men who didn’t report those stresses. Further, men who felt both stress and ERI together were at twice the risk for heart disease, compared to those who didn’t experience the combination. The researchers were not able to find a link between heart health and these various stressors in female participants.

Risks associated with heart disease?

Heart disease can decrease blood flow to the heart, potentially causing a heart attack, according to the US Centers for Disease Control and Prevention. “Considering the significant amount of time people spend at work, understanding the relationship between work stressors and cardiovascular health is crucial for public health and workforce well-being,” Lavigne-Robichaud said.

Key takeaways of the study?

“Our study highlights the pressing need to proactively address stressful working conditions, to create healthier work environments that benefit employees and employers,” Lavigne-Robichaud said.

5 things homemakers can do to earn money at home in India

Earning money from the comfort of your home in India, especially for housewives, is not only practical but can also provide financial independence while balancing family responsibilities. One key reason why every woman must have her own source of income is that it gives you more confidence and you do not ever have to seek financial help from anyone. Here are 5 viable ways for housewives to earn money from home in India:

Freelancing and online work

Freelancing is an excellent option for housewives to utilise their skills and expertise. Many online platforms offer opportunities in several fields like content writing, graphic design, web development, and digital marketing. Housewives can work on projects remotely, allowing them to manage their time efficiently.

Online tutoring

If you are good in a particular subject or have teaching experience, online tutoring can be a lucrative option. Several websites and platforms offer opportunities to teach students online. Housewives can choose their preferred subjects and set flexible schedules.

Content creation and blogging

Content creation, including blogging, vlogging, and social media influencing, can be a creative way to earn income. Housewives can start a blog or an online channel about topics they are passionate about, such as cooking, parenting, fashion,

or travel. Monetisation options include affiliate marketing, sponsored content, and ad revenue.

Home-based cooking and catering

If you're skilled in cooking, you can start a home-based catering or tiffin service. Many working professionals and students look for homemade meals delivered to their doorstep. Use social media and local advertising to reach potential customers.

Remote customer support

Many businesses require virtual assistance and customer support services. Housewives can offer their administrative skills to companies looking for remote assistance. Tasks may include email management, appointment scheduling, data entry, and customer service.

All about Shehnaaz Gill's international red carpet debut at TIFF

The Toronto International Film Festival (TIFF) recently witnessed a spectacular display of glamour and fashion as the cast of the upcoming film "Thank You For Coming" graced the red carpet. From the elegant Bhumi Pednekar to the vivacious Shehnaaz Gill, these Bollywood fashionistas made quite an impact with their stunning looks. Let's delve into Shehnaaz Gill's glamorous red carpet debut and decode her show-stopping ensemble.

The Fashion Maven

Shehnaaz Gill, known for her sweet and effervescent personality, has also established herself as a fashion maven. Her red carpet look at TIFF was nothing short of spectacular, showcasing her style prowess and flair for the dramatic. Shehnaaz opted for a custom-made gown from the renowned clothing brand Itrh, a choice that would set the fashion world abuzz.

The Dazzling Gown

Shehnaaz's gown was a true masterpiece. It featured a halterneck with a daringly deep plunging neckline, adding an element of allure to her ensemble. The body-hugging silhouette emphasized her curves, creating a mesmerizing effect as she walked the red carpet. The gown's maxi-length hem added an extra touch of elegance, ensuring that Shehnaaz exuded pure glamour from head to toe.

A Touch of Gold

One of the standout features of Shehnaaz's gown was the golden sequin pattern that adorned the entire ensemble. The intricate embellishments glistened under the spotlight, making her look like an ethereal goddess. The play of light and shadow on the sequins added depth and dimension to her outfit, elevating it to a whole new level of sophistication.

Styling Excellence

To complete this sensational look, Shehnaaz enlisted the expertise of fashion stylists Rhea Kapoor and Manisha Melwani. They complemented the gown with a pair of matching elbow-length gloves, adding a touch of old Hollywood glamour to the ensemble. Gold statement earrings brought an element of opulence to her attire, perfectly accentuating the golden accents of the gown.

Makeup Magic

Makeup artist Shirley Wu worked

her magic on Shehnaaz's face, enhancing her natural beauty. Shimmering eyeshadow, mascaraed lashes, and darkened eyebrows framed her expressive eyes. Contoured cheeks added definition to her features, while a bold shade of orange lipstick added a pop of color and vivacity to her overall look.

Elegant Hairdo

With her lustrous locks pulled back into a neat high bun, Shehnaaz opted for an elegant hairstyle that allowed her gown and accessories to take center stage. The simplicity of the bun accentuated her high cheekbones, and graceful neck and showcased the gown's halterneck design.

A Breathtaking debut

Shehnaaz Gill's international red carpet debut at TIFF was nothing short of breathtaking. Her choice of a custom-made gown from Itrh, embellished with golden sequins, showcased her fashion-forward sensibilities. With the assistance of talented stylists and makeup artists, Shehnaaz Gill radiated glamour and elegance on the red carpet, leaving a lasting impression. As we eagerly anticipate her next stylish appearance, one thing is for certain: Shehnaaz Gill is a force to be reckoned with in the world of fashion and style.

creative ways to upcycle your old T-shirts

If you have a pile of old t-shirts lying around, don't rush to throw them away! With a little creativity and some simple DIY skills, you can transform these discarded garments into useful and stylish items. Join us on a photostory journey as we e&plore | interesting ways to repurpose old t-shirts.

T-Shirt Tote Bag

Turn your favorite old t-shirts into eco-friendly tote bags. All you need are scissors and basic sewing skills. Cut off the sleeves and neckline, then stitch the bottom closed. In minutes, you'll have a reusable bag perfect for groceries or a day at the beach.

T-Shirt Quilt

Memorialize your cherished t-shirts by creating a sentimental quilt. Cut out squares from your shirts and sew them together into a cozy and nostalgic blanket. Each square tells a story!

T-Shirt Headbands

Make stylish headbands from colorful t-shirts. Cut thin strips from the bottom of the shirt, stretch them, and braid or knot them together. These headbands are not only fashionable but also comfortable.

T-Shirt Rugs

Breathe new life into your old t-

shirts by transforming them into soft and colorful rugs. Cut the shirts into strips, braid or twist them together, and coil the strips to create a unique, upcycled rug.

T-Shirt Scarves

Get cozy with DIY t-shirt scarves. Cut the shirt into strips and stretch them out to create a comfortable and stylish accessory for any season.

T-Shirt Pillow Covers

Add a pop of color and comfort to your home by sewing t-shirt material into pillow covers. Old shirts with interesting graphics can become conversation starters.

T-Shirt Plant Hangers

Give your indoor plants a fashionable home by repurposing t-shirts into hanging plant holders. Simply cut and knot the fabric to create a sturdy and decorative hanger.

South Korean street fashion trends: A blend of tradition and modernity

South Korean street fashion has been making waves in the global fashion scene, garnering attention for its unique blend of tradition and modernity. With a rapidly growing streetwear culture, Seoul has become a fashion capital where young Koreans and fashion enthusiasts express themselves through clothing. Let's delve into the vibrant world of South Korean street fashion and explore some of its captivating trends.Korean street fashion is a reflection of the country's rich cultural heritage combined with a strong inclination toward innovation. The term "K-fashion" encompasses a diverse range of styles, from the chic and minimalist to the bold and avant-garde. It's this fusion of styles that makes Korean street fashion stand out.One of the driving forces behind the popularity of South Korean street fashion is the emergence of influential fashion bloggers and social media personalities. These individuals, often referred to as "influencers," curate and showcase their unique styles on platforms like Instagram and YouTube, inspiring countless followers around the world.Minimalism is a prominent theme in South Korean street fashion. Clean lines, monochromatic color palettes, and simplicity are key elements. However, what sets Korean minimalism apart is the subtle yet impactful twist added to each outfit. Whether it's an oversized blazer worn off the shoulder or a pair of sneakers with unconventional detailing, there's always an unexpected element that catches the eye. South Korean street fashion is breaking gender boundaries. The rise of gender-neutral fashion is challenging traditional norms and promoting inclusivity. Oversized clothing, neutral color schemes, and unisex silhouettes are becoming increasingly common, allowing individuals to express their style without conforming to gender stereotypes.

संक्षिप्त समाचार

16 वर्षीय नाबालिक लड़की के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को एनआईटी पुलिस ने किया गिरफ्तार

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य के दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए थाना एनआईटी प्रभारी इंस्पेक्टर सुनीता व उनकी टीम ने नाबालिक लड़की के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम सक्षम(19) है जो पीड़ित लड़की के पड़ोस में रहता है। 15 सितंबर को पीड़ित लड़की ने अपने परिजनों के साथ आकर एनआईटी थाने में शिकायत दी जिसमें उसने बताया कि उसकी उम्र 16 वर्ष है और वह दसवीं कक्षा की छात्रा है। उसके पड़ोस में आरोपी सक्षम रहता है। लड़की ने बताया कि वह 14 सितंबर को अपनी मां के साथ सब्जी लेने के लिए घर से बाहर गई थी। सब्जी लेने के पश्चात लड़की की मां ने लड़की को सब्जी पकड़ाई और कहा कि वह सब्जी घर पर रख आए। लड़की अपनी मां को वहां पर छोड़कर वापस अपने घर आ रही थी कि आरोपी ने गलत नीयत से लड़की का हाथ पकड़ा और उसको गलत तरीके से छुआ। थोड़ी देर में लड़की की मां वहां आई तो उसे देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया।

युवक से दरिंदगी: हाथ-पैर बांधकर पीटा, निर्वस्त्र कर गुप्तांग में डाल दी बीयर की बोतल...इतने पर भी न रुके हैवान कर लिया अपहरण

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

पलवल। हरियाणा के पलवल में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां घर में घुसकर व्यक्ति के साथ मारपीट कर हाथ-पैर बांध दिए। आरोपियों ने पीड़ित को नग्न कर गुप्तांग में बीयर की बोतल डाल दी। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई, परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई।पुलिस को शिकायत देने के विरोध में आरोपियों ने पीड़ित का अपहरण कर लिया और डेढ़ माह तक बंधक बनाकर रखा। भूखा-प्यासा रहने के कारण व्यक्ति गंभीर बीमारियों का शिकार हो गया तो आरोपियों ने उसे छोड़ दिया। पीड़ित ने अदालत में मामले की शिकायत की। अदालत से प्राप्त इस्तगासा के आधार पर थाना पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अभी तक पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है। थाना प्रभारी तेजपाल के अनुसार, श्याम नगर निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि बीती सात जून को वह अपने घर पर अकेला सो रहा था। सुबह करीब तीन बजे गांव अगवानपुर निवासी टीमक व अजय उसके घर में घुस आए और उसे लाठी-डंडों से पीटने लगे। आरोपियों ने उसे अंदर वाले कमरे में ले गए और हाथ-पैर बांध दिए।

बीजेपी (व्यवसायिक प्रकोष्ठ) फरीदाबाद द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस बहुत धूमधाम से मनाया गया

भाजपा सरकार में विश्व गुरु बनने की ओर: विमल खंडेलवाल

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक शर्मा

फरीदाबाद। बीजेपी (व्यवसायिक प्रकोष्ठ) फरीदाबाद के द्वारा आज यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस आर्थिक रूप से कमजोर लोगों सेक्टर 8 झुगियो के बीच में केक एवं उन्हें गिफ्ट प्रदान करके बहुत धूमधाम से मनाया गया। जिला संयोजक विमल खंडेलवाल ने बताया कि 9 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने चौमुखी विकास करने का कार्य किया है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतिम छोर पर बैठे हुए लाभार्थी को भी लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। मोदी सरकार मई में ही अपने नौ साल पूरे कर चुकी है। इस खास मौके पर देशवासियों को मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभ के बारे में बताने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम चलाया जा रहा है। हालांकि, इसने बुनियादी ढांचे के विकास, विश्वविद्यालयों

और मेडिकल कॉलेजों की स्थापना में हो रही प्रगति के जिक्र के साथ ही दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत के उभरने की बात भी शामिल थी।उदाहरण के लिए 11.39 करोड़ छोटे किसानों को प्रधानमंत्री किसान निधि के माध्यम से हर वर्ष 6,000 रुपये दिया जाना और 37.59 करोड़ किसानों को 2016 में शुरू की गई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीकृत किया जाना। पुस्तिका में कुछ और बातों का उल्लेख है, मसलन स्किल इंडिया के तहत 1.37 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया गया, नौ वर्ष में आईटीआई की तादाद 11,847 से बढ़ाकर 14,955 की गई, 390 नए विश्वविद्यालय स्थापित किए गए, एम्स की संख्या 8 से बढ़ाकर 23 की गई, मेडिकल कॉलेज 641 से बढ़ाकर 1,341 किए गए और मेडिकल सीट 82,466 से बढ़ाकर 1,52,129 कर दी गई। मोदी सरकार को देश की सत्ता में काबिज हुए आज 9 साल पूरे हो रहे हैं! अशोक कुकरेजा ने बताया कि उन्होंने सरकार द्वारा 80 करोड़ लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, जनधन के तहत 48.27 करोड़ खाते खोलकर सबको वित्तीय सेवाओं से जोड़ने का जिक्र करते हुए कहा कि इनमें से करीब 26.54 करोड़ खाते महिलाओं के हैं। उनका कहना था कि 133 करोड़ लोगों के आधार को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से जोड़कर अनुमानित तौर पर 25 लाख करोड़ रुपये वितरित किए गए। राजीव सिंगला नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जारी पुस्तिका के अनुसार, मोदी सरकार ने महिलाओं को सम्मान देने के मकसद से 11.72 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया और उज्ज्वला योजना के तहत 9.6 करोड़ एलपीजी सिलिंडर दिए। इरानी ने कहा कि ग्रामीण आवास योजना के तहत बनाए गए 2.5 करोड़ आवास में से 70 प्रतिशत या तो महिलाओं के नाम पर हैं या वे संयुक्त रूप से घर की मालकिन हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने जल जीवन मिशन के तहत 8.67 करोड़ घरों में पाइप से पानी पहुंचाया है और मुद्रा योजना के तहत 69 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। मार्च 2023 में, केंद्र ने एलपीजी सिलिंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी एक साल के लिए बढ़ा दी है। आज का कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में किया गया था इसमें सभी बच्चों को उपहार स्वरूप चॉकलेट ,बिस्किट उनके हाथों से कटवाकर धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में जिला संयोजक विमल खंडेलवाल, सहसंयोजक अशोक कुकरेजा, राजीव सिंगला, लोकेश खेतान,सिद्धार्थ शर्मा, नीलम चौधरी,मधुसूदन माटोलिया एवं समाज के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

शरद फाउंडेशन द्वारा बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए 'गुफ्तगू' कार्यक्रम का आगाज

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक शर्मा

फ़रीदाबाद। शरद फाउंडेशन द्वारा बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया है इस कार्यक्रम की परिकल्पना संस्था की चेयरपर्सन डॉ हेमलता शर्मा ने लगभग 2 वर्ष पूर्व कर ली थी। शरद फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ हेमलता शर्मा ने इस कार्यक्रम 'गुफ्तगू' के प्रथम एडिसोड के अवसर पर बताया कि ये प्रोग्राम हम लोग बच्चो के लिए आयोजित कर रहे हैं इस सीरीज के अंतर्गत बच्चों की गुफ्तगू उन लोगों से कराई जाएगी जो लोग अपने संघर्ष के बाद किसी मुकाम पर पहुंचे हैं। कार्यक्रम के पहले एपिसोड के लिए प्रथम मुख्य अतिथि डॉ आशा गांधी गुरुग्राम से आई थीं। डॉ आशा गांधी दिल्ली स्थित लेडी हार्डिंग अस्पताल में अपनी सेवाएं दी हैं उसके अलावा वे कई अन्य हॉस्पिटल्स और विभाग में कई बड़े ओहदों पर कार्यरत रही हैं। फिजियोलॉजी के क्षैत्र में उनका काफी कार्य रहा है और वर्तमान में भी इसी पर काम कर रही हैं। इस अवसर पर नागालैंड ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ एस एन पांडे भी विषेश तौर पर उपस्थित रहे और उन्होंने भी बच्चों को संबोधित किया। बच्चों से हुई चर्चा 'गुफ्तगू' के दौरान डॉ आशा गांधी ने बच्चों को अच्छे गुणों का महत्व, समय का महत्व, डिसिप्लिन, मेहनत, लगन, इच्छा शक्ति आदि पर समझाया। उन्होंने बच्चों के सभी सवालों के जवाब दिए और उन्हें जीवन में कामयाबी के मंत्र दिए। उन्होंने बताया कि किस तरह जीवन में प्रेरणा से वे कामयाबी के मुकाम पर पहुंची है। कार्यक्रम के अंत में डॉ हेमलता शर्मा ने मुख्य अतिथि डॉ आशा गांधी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था में सभी प्रमुख टीम सदस्य और अध्यापक अवस्थित रहे।

जननायक ताऊ देवी लाल जी का 110वां किसान जन्मदिवसविजय सम्मान दिवस के रूप में मनाया जायेगा: देवेंद्र सौरोत

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

पलवल। जननायक ताऊ देवी लाल जी का 110 वां किसान जन्मदिवसविजय सम्मान दिवस के रूप में बनाने के लिए जेजेपी के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सोरौत वरिष्ठ युवा नेता विश्व कुमार भालू पलवल हलका अध्यक्ष खेमचंद कुंडू जिला प्रवक्ता प्रवीण डूडी वरिष्ठ युवा नेता बृजेश अटोंहा महिला जिला अध्यक्ष ललित सुहाग पलवल महिला अध्यक्ष सुमन मलिक सुनीता भारद्वाज अपने सैकड़ो महिला कार्यकर्ताओं के साथ सीकर राजस्थान के लिए बसों को रवाना किया। प्रैस को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि जननायक ताऊ देवी लाल जी का 110 वां किसान जन्मदिवसविजय सम्मान दिवस के रूप में मनाया जायेगा । जननायक चौधरी देवीलाल ने किसानों के लिए अभूतपूर्व योगदान दिया है जिसे पूरा देश जानता है।

सोशल मीडिया कार्यशाला में 2024 में हरियाणा में लोकसभा की 10 में से 10 सीट जीतने के लगे जयघोष

सोशल मीडिया बनेगा 2024 चुनाव में भाजपा की जीत का मुख्य हथियार: मूलचंद मित्तल

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। भाजपा द्वारा अपने सोशल मीडिया नेटवर्क को धार देने के लिए शंखनाद अभियान के अंतर्गत पूरे देश और प्रदेश में जिला स्तर तक सोशल मीडिया कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत अटल कमल भाजपा ज़िला कार्यालय पर भाजपा ज़िला फ़रीदाबाद की सोशल मीडिया कार्यशाला सम्पन्न हुई। सोशल मीडिया कार्यशाला में भाजपा ज़िला महामंत्री मूलचंद मित्तल, बढ़कल से विधायिका सीमा त्रिखा, प्रदेश प्रवक्ता और प्रदेश मीडिया टोली सदस्य वंदना पोपली, राष्ट्रीय सोशल मीडिया विभाग से शंखनाद अभियान के उतर भारत संयोजक हर्ष चतुर्वेदी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और पूर्व प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख अरुण यादव, लोकसभा मीडिया प्रभारी रामबीर

भाटी, प्रदेश सह प्रवक्ता बिजेन्द्र नेहरा, प्रदेश फेसबुक वर्टीकल प्रमुख विकास चोपड़ा, ज़िला सोशल मीडिया प्रमुख विनोद गुप्ता, ज़िला आई टी प्रमुख अमित मिश्रा, सह प्रमुख राज मदान, सचेत जैन, प्रिया सहगल, अविनाश ठाकुर, हिमांशु मिश्रा आदि उपस्थित रहे और उन्होंने सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। शंखनाद अभियान के तहत आयोजित जिला कार्यशाला में फरीदाबाद भाजपा के जिला विधानसभा मंडल और मोर्चों के लगभग 200 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण लिया। जिला कार्यशाला का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ और सोशल मीडिया एक्सपर्ट्स ने कई सत्रों में अलग अलग विषयों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। इस दौरान हरियाणा की सभी 10 में से 10 लोकसभा की सीट जीतने और तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने के जय घोष भी लगे। ज़िला महामंत्री और सोशल मीडिया प्रभारी मूलचंद मित्तल ने कहा कि भाजपा सोशल मीडिया फरीदाबाद के कार्यकर्तृता संगठन के महत्वपूर्ण कार्यकर्तृता हैं, जो पार्टी के लिए दिन रात समर्पित होकर दिन रात सक्रिय रहते हैं और विरोधियों के दुष्प्रचार और गलत नेरेटिव का मुकाबला करते हैं और पार्टी के लिए सकारात्मक प्रचार प्रसार करते हैं। कार्यशाला में सोशल मीडिया के माध्यम से जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन जन पहुँचाने के निर्देश भी दिए गए। आज के डिजिटल युग को देखते हुए उन्होंने कहा कि 20 24 की जीत में सोशल मीडिया भाजपा का मुख्य हथियार बनेगा। भाजपा के ज़िला मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रमुख विनोद गुप्ता ने बताया कि 2024 चुनाव को लेकर भाजपा अपने इस विभाग को और ज्यादा मजबूत करने के लिए देश और प्रदेश भर में शंखनाद अभियान चलाया हुआ है। जिसके तहत हरियाणा के सभी ज़िलों में लगातार जिला कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है ।

डीसी विक्रम सिंह की राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के केसों की समीक्षा

डीसी ने कहा, राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल पर्यावरण के केसों का निपटान गम्भीरता से करें अधिकारी

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आज सोमवार को लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में जिला फरीदाबाद में लंबित राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के केसों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल पर्यावरण के केसों का निपटान अधिकारी गंभीरता से करें। डीसी विक्रम ने एनजीटी के केसों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को ज़रूरी दिशा-निर्देश दिए। डीसी विक्रम सिंह ने राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल पर्यावरण के केसों समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल पर्यावरण के केसों का निपटान अधिकारी समयबद्ध तरीके से धरातल पर निरीक्षण करके पूरा करें। उन्होंने कहा कि सभी केसों का निपटान एनजीटी की हिदायतों के अनुसार ही करना सुनिश्चित करें। जिस विभाग की जो भी जिम्मेदारी है। उसे निर्धारित समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें। वहीं उन्होंने बैठक में एनजीटी के टोटल 16 केसों केसों की एक-एक करके समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल अधिकरण एनसीआर में गंभीरता से कार्य कर रहा है। इसलिए एनजीटी द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला फरीदाबाद में नियमों की पालना करना सुनिश्चित करें। बता दें विगत 18 अक्टूबर 2010 को राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत पर्यावरण बचाव और वन संरक्षण और अन्य प्राकृतिक संसाधन सहित पर्यावरण से संबंधित किसी भी कानूनी अधिकार के प्रवर्तन और क्षतिग्रस्त व्यक्ति अथवा संपत्ति के लिए अनुतोष और क्षतिपूर्ति प्रदान करना और इससे जुड़े हुए मामलों का प्रभावशाली तथा तीव्र गति से निपटारा करने के लिए किया गया है। यह एक विशिष्ट निकाय है, जो कि पर्यावरण विवादों बहु-अनुशासनिक मामलों सहित, सुविज्ञता से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक तंत्रों से सुसज्जित है। यह अधिकरण 1908 के नागरिक कार्यविधि के द्वारा दिए गए कार्यविधि से प्रतिबद्ध नहीं है। लेकिन प्रकृतिक न्याय सिद्धांतों से निर्देशित है।

लिटरेसी अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत कैंप का आयोजन: बाल कल्याण अधिकारी एसएल खत्री

फरीदाबाद। महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुकीर्ति गोयल के कुशल मार्गदर्शन में आज आज मुजेसर स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा राजकीय प्राइमरी विद्यालय में ÷लिटरेसी अवेयरनेस कार्यक्रम÷ के अंतर्गत कैम्पों का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को जेजे एक्ट, पास्को एक्ट सहित अन्य कानूनी जानकारी दी। कैम्पों में एडवोकेट जीत सिंह रावत, पीएलवी हरदीप कौर, पीएलवी करण द्वारा बच्चों को बारीकी से जानकारी दी गई। जिला बाल कल्याण अधिकारी एसएल खत्री ने भी बच्चों के सम्मुख अपने विचार रखें और बच्चों को परिवार के साथ साथ देश की अमूल्य निधि बताया तथा उदाहरण देकर बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में जागृत करते हुए बताया कि, की किसी अनजान व्यक्ति के किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आये ऐसी घटना की जानकारी अपने माता पिता को दे और सुरक्षित रहे।

अनिल विज ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संबंध में कांग्रेस के नेताओं पर कसा तंज

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संबंध में कांग्रेस के नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश पर 49 वर्ष तक राज किया अपने राज में यह पूरा क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि अगर तुम्हारी (कांग्रेस) मांगे तुम्हारे राज में पूरी न होकर भाजपा के राज में ही पूरी होनी है तो फिर अपने अपने पदों से त्यागपत्र देकर भाजपा को ओर मजबूत करने में लग जाए। नारी शक्ति वंदन विधेयक पर कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि यह तो कांग्रेस की सोच थी या कांग्रेस की मांग थी अगर यह कांग्रेस की सोच थी तो तुमने देश पर 49 वर्ष तक राज किया तुमने अपने राज में पूरी क्यों नहीं की और अगर तुम्हारी मांगे तुम्हारा राज में पूरी न होकर भाजपा के राज में ही पूरी विज ने ट्वीट करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक पर कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि यह तो कांग्रेस की सोच थी या कांग्रेस की मांग थी अगर यह कांग्रेस की सोच थी तो तुमने देश पर 49 वर्ष तक राज किया तुमने अपने राज में पूरी क्यों नहीं की और अगर तुम्हारी मांगे तुम्हारा राज में पूरी न होकर भाजपा के राज में ही पूरी होनी है तो फिर अपने अपने पदों से त्यागपत्र देकर भाजपा को और मजबूत करने में लग जाए। उल्लेखनीय है कि संसद के चल रहे विशेष सत्र में और नई संसद भवन के औपचारिक तौर पर ÷भारत का संसद÷ घोषित किए जाने के साथ ही एक और ऐतिहासिक कदम उठाया गया। मंगलवार को नई संसद में सरकार ने लोकसभा में 2023 यानी नारी शक्ति वंदन अधिनियम पेश किया। गौरतलब है कि विधेयक के कानून बन जाने के बाद 543 सदस्यों वाली लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या मौजूदा 82 से बढ़कर 181 हो जाएगी। इसके पारित होने के बाद विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित हो जाएंगी। महिलाओं की आरक्षित सीट में भी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण होगा।

नेहरू कॉलेज में हुआ ज़िला विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा स्टेट कॉउंसिल फॉर साईस, इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी के तत्वाधान में महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों की विज्ञान में रूचि बढाने के लिए हर वर्ष विज्ञान प्रश्नोत्तरी जिला एवं राज्य स्तर पर आयोजित की जाती है । वर्ष 2023-24 की जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी सोमवार को राजकीय महाविद्यालय फ़रीदाबाद में सफ़लता पूर्वक आयोजित की गई । इस विज्ञान प्रश्नोत्तरी में जिले के कुल 6 महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिनमें से श्रेष्ठ 8 टीमों का चयन लिखित परीक्षा के द्वारा किया गया। इसके उपरांत इन 8 टीमों ने प्रश्नोत्री के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए, विज्ञान से जुड़े अनेको प्रश्नों का सटीक जवाब देकर अपनी विज्ञान की जानकारी का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के. एल. मेहता दयानंद महाविद्यालय फ़रीदाबाद और दितीय व तृतीय पुरस्कार राजकीय महाविद्यालय फ़रीदाबाद ने प्राप्त किया । नेहरू कॉलेज ने पिछले कुछ महीनों में जिस तरह अनेकों कार्यक्रम आयोजित किए है उससे पता लगता है की नेहरू कॉलेज ने फ़रीदाबाद में धूम मचा रखी जिसमें विद्यार्थियों के साथ साथ सभी प्राध्यापक भी बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रूचिरा खुल्लर ने की। विज्ञान प्रश्नोत्तरी की संयोजक व क्विज मास्टर की देखरेख डॉ. पारुल जैन ने की। प्रतियोगिता के सफ़ल आयोजन में अन्य प्राध्यपकों में डॉ. पूनम, डॉ. देवेंद्र, डॉ. रिचा, डॉ. नीनू, डॉ. नीतू, श्रीमती जन्नत, श्रीमती उमा, श्रीमती सरिता, श्रीमती श्रुति, डॉ विवेकानंद, डॉ प्रियंका, श्रीमती रिम्पी, डॉ पूजा, श्रीमती सविता, श्रीमती दीपिका, श्रीमती ललिता, डेकोरेशन टीम आदि ने विशेष भूमिका निभाई। पुरस्कार वितरण में मुख्य अतिथि डॉ. डी. आर. खुल्लर (सेवानिवृत्त प्राचार्य) रहे। जिन्होंने विद्यार्थियों का हौंसला बढ़ाया और सफल कार्यक्रम के लिए आयोजकों को बधाई व शुभकामनाएँ दी।

बिजली मंत्री रणजीत चौटाला बोले- पूर्व सीएम हुड्डा मेरे खास मित्र, कांग्रेस ने मुझे किया प्रयोग

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

जींद। हरियाणा के जींद के हथवाला गांव में प्रदेश के बिजली और जेल मंत्री रणजीत चौटाला ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा मेरे खास मित्र हैं। रोजाना बात भी होती है। चुनाव के परिणाम से पहले भी भूपेंद्र हुड्डा ने अग्रिम बधाई भी दे दी थी और कहा था कि हमें अच्छे आदमियों की जरूरत है, लेकिन मैंने मना कर दिया था। कांग्रेस ने मुझे प्रयोग किया। पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल के सामने चुनाव लड़वाया तो कभी पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के सामने। कांग्रेस 10 साल राज करने के बाद भी हार गई, क्योंकि सभी विकास कार्य रोहतक में ही करवाए गए, जबकि इस बार निर्दलीय चुनाव लड़ा तो जीत मिली और भाजपा ने कार्यशैली को देखते हुए मुझे मंत्री भी बनाया। बिजली मंत्री ने कहा कि महम कांड के बाद इनेलो सरकार नहीं बना पाई। निर्दलीय चुनाव जीता तो भाजपा ने मंत्री बनाया। दुष्यंत मेरा पोता है और दोनों के महकमों को मिलाकर 70 प्रतिशत राज आपके हाथ में है। मंत्री ने कहा कि सरकार को बिजली 4.70 रुपये प्रति यूनिट पड़ती है, लेकिन सरकार किसान को 10 पैसे प्रति यूनिट देती है। प्रदेश के किसानों का ट्यूबवेल का बिल 5918 करोड़ रुपये आता है, लेकिन किसानों से मात्र 109 करोड़ का बिल ही वसूला जाता है। इससे सस्ती बिजली कहीं नहीं मिल रही है। पूरे प्रदेश के 5617 गांवों में 24 घंटे बिजली मुहैया करवाई जा रही है। प्रदेश में देश की 50 प्रतिशत कारें और 60 प्रतिशत मोटर साइकिल बेहतरीन बिजली मिलने पर ही बन रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि दिल्ली में सस्ती बिजली मिल रही है। दिल्ली की अधिकतर जनता गुरुग्राम और फरीदाबाद में रहती है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को चाहिए कि पहले अपनी जनता को संभालें। इस अवसर पर सरपंच एसोसिएशन की प्रधान शिक्षा देवी, सतीश नैन, कुलदीप दलाल, देवेंद्र, पवन लाठर व सतीश मौजूद रहे।